हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 84, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 14 सितम्बर, 2022 दिन बुधवार गाजीपुर/वाराणसी

विरासत के प्रति कृतज्ञता का भाव सनातन धर्म संस्कृति की विशेषता

महंत दिग्विजयनाथ की पुण्यतिथि समारोह में मुख्यमंत्री योगी बोले

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सृष्टि, प्रकृति, पूर्वजों तथा विरासत के प्रति कृतज्ञता का भाव सनातन धर्म-संस्कृति की पहली विशेषता है। सनातन हिंदू धर्म संस्कृति में यही कृतज्ञता का भाव हमें निरंतर आगे बढ़ने की नई प्रेरणा प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 53वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 8वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतर्गत मंगलवार (आश्विन कृष्ण तृतीया) को महंत दिग्विजयनाथ की पुण्यतिथि पर संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हनुमान जी जब लंका में जा रहे थे तब पर्वत ने उनसे प्रश्न किया था कि सनातन धर्म की परिभाषा क्या है, तब उन्होंने जवाब दिया था कि कोई आप पर कृपा करे तो उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना ही सनातन धर्म का कर्तव्य है। यही इसका पहला लक्षण भी है। हर सनातन धर्मावलंबी इस भाव को ठीक से समझता है। गोरक्ष पीठाधीश्वर ने कहा कि जीवन चक्र की जड़-चेतन के बेहतर समन्वय से चलता है। यही कारण है कि हमारे सनातन धर्म ने वनस्पतियों, जीव-जंतुओं के महत्व को समान रूप से स्वीकार किया है। वर्ष में दो बार हम नवरात्र के जरिये सृष्टि की आदि शक्ति के प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट करते हैं तो वर्ष में एक पक्ष अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता हेतु तर्पण करते हैं। त्योहारों के प्रति लगाव भी कृतज्ञता ज्ञापित करने का माध्यम है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अपनी विरासत के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने की गोरक्षपीठ की अद्भुत परंपरा है। पितृपक्ष की तृतीया तिथि को ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ तथा चतुर्थी तिथि को ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इस अवसर पर यहां होने वाले आयोजन में ब्रह्मलीन आचार्यद्वय की पुण्य स्मृतियां स्वतः ही जुड़ जाती हैं।

इस अवसर पर महंतद्वय ने धर्म, समाज व राष्ट्र के लिए जिन मूल्यों व आदर्शों के अनुरूप शिक्षा, स्वास्थ्य व सेवा के विभिन्न प्रकल्पों को लोक कल्याण से जोड़ा, उन्हें और आगे ले जाने की प्रेरणा भी मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश हुकूमत ने गोरक्षपीठ के तत्कालीन महंत गोपालनाथ जी को गिरफ्तार कर लिया था। उन पर आरोप था कि वह क्रांतिकारियों को प्रश्रय देते थे। जब भी जरूरत पड़ी सनातन धर्म की रक्षा के लिए संतो ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। उन्होंने कहा कि धर्म व राष्ट्र की रक्षा के लिए शास्त्र के साथ शस्त्र का संधान करने की हमारे संत समाज की समृद्ध परंपरा रही है। यह हमारी हजारों वर्षों की विरासत भी है।

योगी ने कहा कि हमारी कमी यह है कि हम किसी घटना के मूल्यांकन का प्रयास नहीं करते। हम सफलता को व्यक्तिगत पुरुषार्थ मान लेते हैं। सफलता व्यक्तिगत नहीं होती बल्कि यह सामूहिक प्रयासों का परिणाम होती है सफलता में टीम के एक-एकसदस्य का योगदान होता है। जैसे सेतुबंध के निर्माण में विशाल वानर-भालुओं से कम योगदान गिलहरी का भी नहीं रहा। श्रद्धांजलि समारोह में सुग्रीव किलाधीश (अयोध्या) से पधारे जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी विश्वेश प्रपन्नाचार्य ने कहा कि विभिन्नता में एकता का दर्शन गोरक्षपीठ की परंपरा रही है। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं महंत अवेद्यनाथ के इसी अभियान को योगी आदित्यनाथ आगे बढ़ा रहे हैं।

शांकभरी देवी में आई बाढ़ में बही श्रद्धालुओं की कार, महिला की मौत, बेटियों को छात्रों ने बचाया

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में सिद्धपीठ शांकभरी देवी में आई बाढ़ में देवी दर्शनों को जा रहे श्रद्धालुओं की कार बहने से महिला की मौत हो गई, जबकि उसकी दो बेटियां को सुरक्षित बचा लिया गया। महिला की मौत से दोनों बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया

कि तीसरी बेटी की हालत गंभीर है उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शाकंभरी देवी के खोल में आई बाढ़ में कार बहने से सीमा (55) पत्नी हेमंत निवासी शुगर मिल कालोनी सहारनपुर की मौत हो गई। इस दौरान महिला की दो बेटियों तानिया, मेघा व चालक रवि को शंकराचार्य आश्रम के संस्कृत विद्यालय के छात्रों ने बचाया। बताया गया कि एक लड़की रिया को वनकर्मी द्वारा बामुश्किल बचाया। उसकी गंभीर हालत देखते हुए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाढ़ में कार बहने की सूचना मिलते ही तहसीलदार प्रकाश सिंह सीओ मुनीश चंद्र, इंस्पेक्टर एचएन सिंह मौके पर पहुंचे। वहीं मां की मौत के बाद दो बेटियों का रोकर बुरा हाल है।

सिंकंदराबाद के होटल में इलेक्ट्रिक बाइक चार्ज करते समय विस्फोट से भड़की आग, 8 की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के सिकंदराबाद के रूबी होटल में इलेक्ट्रिक बाइक चार्ज करते बैट्री में विस्फोट होने से भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 10 लोग झुलसे या घायल हुए हैं। आग होटल की निचली मंजिल पर लगी और धीरे-धीरे इसने पहली और दूसरी मंजिल को भी अपनी चपेट में ले लिया। जब तक लोग सावधान होते, आग काफी भड़क चुकी थी। कई जान बचाने के लिए लोग हड़बड़ाहट में ऊपरी मंजिलों से खिड़की के रास्ते कूद गए हैं।

हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर सीवी आनंद ने बताया कि होटल के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित इलेक्ट्रिक स्कूटर रिचार्जिंग यूनिट में आग लगी, जिसने बाद में पहली और दूसरी मंजिल को भी अपनी चपेट में ले लिया। हैदराबाद कमिश्नर ने बताया कि यहां कई लोगों ने अपनी जान बचाने के लिए इमारत से छलांग लगा दी। स्थानीय लोग उनके बचाव के लिए आगे आए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा दमकल की कई गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं और आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य के गृहमंत्री मोहम्मद महमूद अली ने घटना की जांच की बात कही है। उन्होंने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। फायर ब्रिगेड की टीमें आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन भारी धुएं के चलते कुछ लोगों की मौत हो गई। कुछ लोगों को लॉज से बचाया गया है। उन्होंने कहा कि यह घटना कैसे हुई, इसकी हम जांच कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि सिकंदराबाद के रूबी होटल के बेसमेंट में रूबी इलेक्ट्रिक व्हीकल के शोरूम में एक बाइक की बैटरी फटने से आग भड़की और फिर उसने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस ने बताया कि जिस समय होटल में आग लगी उस समय वहां करीब 23-25 पर्यटक रुके हुए थे। आग और धुएं में दम घुटने के कारण 8 लोगों की मौत हो गई है, मृतकों में एक महिला है। करीब 10 लोग घटना में घायल हो गए हैं। होटल में लगी भीषण आग को देखकर कुछ लोगों ने खिड़की से नीचे कूदने की कोशिश भी की। इस दौरान भी कई लोग घायल हुए।

पीएम मोदी ने किया मुआवजे का ऐलान- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना में लोगों की मौत पर दुःख जताया है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। पीएम मोदी ने ट्वीट किया तेलंगाना के सिकंदराबाद में आग लगने से हुए लोगों की मौत से दुखी हूं। शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजन को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। साथ ही घटना में घायल हुए लोगों को 50,000 रुपए का मुआवजा दिया जाएगा।

लद्दाख में गोगरा-हाटस्प्रिंग से पीछे हटे भारत-चीन के सैनिक, वेरीफिकेशन प्रक्रिया भी हुई पूरी

नई दिल्ली। भारत और चीन की सेनाओं ने मंगलवार को पूर्वी लद्दाख सेक्टर के गोगरा-हाटस्प्रिंग क्षेत्र के पेट्रोलिंग प्वाइंट-15 के पास से पूरी तरह से पीछे हट गए हैं। दोनों देशों की सेनाओं ने गतिरोध वाले स्थान से सैनिकों को वापस लेने की एक दूसरे की वेरिफिकेशन प्रक्रिया भी पूरी कर ली है। सरकारी सूत्रों ने समाचार एजेंसी एएनआइ को यह जानकारी दी है। मालूम हो कि दोनों देशों की सेनाओं के गतिरोध वाले स्थान से सैनिकों को पीछे हटाने की पांच दिवसीय प्रक्रिया सोमवार को पूरी कर ली गई थी। इसके साथ ही दोनों देशों की सेनाओं द्वारा बनाए गए अस्थायी बुनियादी ढांचे को भी ध्वस्त कर दिया गया है। भारत और चीन के बीच दशकों से सीमा विवाद जारी है। साल 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में दोनों देशों की सेनाओं के बीच गतिरोध काफी बढ़ गया था, जिसके कारण दोनों देशों के बीच सीमा विवाद गलवान घाटी,

पेट्रोलिंग पॉइंट-15 के पास गोगरा-हाटस्प्रिंग क्षेत्र के साथ-साथ डेमचोक और देपसांग तक फैल गया। दोनों देशों के बीच 16वें दौर के बातचीत के बाद गोगरा-हाटस्प्रिंग क्षेत्र (पेट्रोलिंग प्वाइंट-15) से भारत और चीन के सेनाएं सोमवार को पीछे हट गईं है। हालांकि डेमचोक और देपसांग में जारी गतिरोध का समाधान नहीं निकल पाया है। भारत और चीन की सेनाओं ने गोगरा-हाटस्प्रिंग क्षेत्र (पेट्रोलिंग प्वाइंट-15) से अपनी-अपनी सेनाओं को पीछे हटाने की घोषणा आठ सितंबर को की थी। इस दौरान दोनों देशों की सेनाओं ने कहा था कि जुलाई में सैन्य वार्ता के 16वें दौर के परिणाम के बाद गोगरा-हाटस्प्रिंग क्षेत्र से सौनिकों को वापसी पर सहमति बनी है। जिसके बाद दोनों देशों की सेनाओं ने चरणबद्ध तरीके से पीछे हटना शुरू किया था। नई दिल्ली में सोमवार को एक कार्यक्रम के बाद सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने बताया था कि दोनों देशों की सेनाओं की वापसी प्रक्रिया 'निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार' ही चल रही है।

सुभासपा में अंदरूनी कलह के बीच 'सावधान यात्रा' की तैयारी, ओमप्रकाश राजभर पूर्वांचल में करेंगे 17 महारैली

वाराणसी। खो रहे जनाधार को हासिल करने में जुटी कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के बीच अब पार्टी को टूट से बचाने के लिए अपना जनाधार बनाने के लिए ओमप्रकाश राजभर भी सक्रिय हो गए हैं। बिहार में पार्टी का जनाधार बढ़ाने की कोशिश कर रहे राजभर अब बिहार में सियासी कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद अब दोबारा अपने जनाधार वाले क्षेत्र पूर्वांचल में सक्रिय हो गए हैं।

दरअसल पार्टी से नाराज चल रहे महेंद्र राजभर नवरात्र में नई पार्टी गठित करने जा रहे हैं। ऐसे में पार्टी नए सिरे से खुद को सशक्त करने की तैयारी में जुट गई है। सोमवार को मऊ जिले में विभिन्न जगहों पर जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन कर जनता से संवाद किया और 18 अक्टूबर 2022 को लाखीपुर मंदिर घोसी में लोगों से उपस्थित होने की अपील भी की। पार्टी सूत्रों के अनुसर अब ओमप्रकाश राजभर की नजर पूर्वांचल में अपने समर्थकों पर टिकी है। मऊ जिले में कार्यकताओं और जनता से संवाद करने के साथ ही पूर्वांचल के अन्य जिलों में भी पार्टी से लोगों को जोड़ने के लिए विशेष प्रयास जन चौपाल कर रहे हैं। पार्टी आने वाले दिनों में पूर्वांचल में वृहद स्तर पर महारैली आयोजित करने की तैयारी में है।

ओमप्रकाश राजभर मऊ के बाद अब पूर्वांचल के अन्य जिलों में भी चौपाल कर आम जनता से संवाद के जरिए उनको जोड़ने की तैयारियों में लगे हुए हैं। समाजवादी पार्टी से चुनाव के बाद अलग होने वाले ओमप्रकाश राजभर अब जन चौपाल कर लोगों से महारैली से जुड़ने की अपील कर रहे हैं। मऊ के बाद उनका अन्य जिलों का दौरा भी प्रस्तावित है। जहां जनता के बीच जाकर जन चौपाल में उनके जिले में होने वाले आयोजन की जानकारी देकर उनको कार्यक्रम से जोड़ने की तैयारी जन चौपाल के जरिए की जा रही है।

कोलकाता की सड़कों पर हिंसक झड़प, सुवेंदु अधिकारी समेत हिरासत में ली गई भाजपा सांसद

कोलकाता। भ्रष्टाचार को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ नवान्न अभियान के दौरान राज्य सचिवालय की तरफ बढ़ रहे भाजपा के मार्च को पुलिस द्वारा रोके जाने को लेकर हावड़ा के सांतरागाछी एवं हावड़ा मैदान से लेकर कोलकाता तक मंगलवार दोपहर में रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। सबसे पहले जैसे ही भाजपा कार्यकर्ता सांतरागाछी बस स्टैंड के पास से नवान्न की तरफ आगे बढ़े पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद भाजपा कार्यकताओं ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की, जिसको लेकर पुलिस के साथ कार्यकताओं की हिंसक झड़प हो गई। भाजपा कार्यकताओं ने इस दौरान पुलिस पर पथराव भी शुरू कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने जमकर लाठीचार्ज के साथ टियर गैस व वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इसमें कई कार्यकर्ता घायल भी हो गए हैं। इसके बाद हावड़ा मैदान इलाके में भी नवान्न

अभियान के दौरान भाजपा कार्यकताओं द्वारा बैरिकेड्स तोड़ने की कोशिश की गई जिसके बाद पुलिस के साथ जमकर झड़प हुई। पुलिस ने जमकर लाठीचार्ज के साथ वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। कोलकाता में भी पुलिस व भाजपा कार्यकताओं के बीच जमकर झड़प हुई है। दूसरी तरफ संतरागाछी में रह- रह कर पुलिस व भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हो रही है। इस दौरान उग्र भीड़ ने पुलिस की गाड़ी में भी आग लगा दी है। इसको लेकर बेहद तनावपूर्ण स्थिति है। भाजपा कार्यकताओं पर पुलिस पर जमकर पथराव करने का आरोप है। इस घटना को लेकर पूरे इलाके में बेहद तनावपूर्ण स्थिति है। पुलिस से अनुमति नहीं मिलने के बावजूद भाजपा कार्यकर्ता मार्च निकालने पर अडिग हैं। बता दें कि इससे पहले नवान्न अभियान शुरू होने से पहले ही पुलिस ने द्वितीय हुगली सेतु के पास सुवेंदु अधिकारी समेत हुगली से भाजपा सांसद लाकेट चटर्जी, भाजपा नेता राहुल सिन्हा व अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया।

प्रशांत किशोर ने नीतीश के अंदाज में दिया जवाब सीएम के साथ जाने की चर्चाओं पर ट्वीट किया वीडियो

पटना। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने शनिवार को कहा था कि उनकी नीतीश कुमार से कोई लड़ाई नहीं है। मीडिया से बातचीत में पीके ने कहा कि सीएम उनसे नाराज नहीं हैं। उनका बोलने का एक तरीका है। इस बयान का एक पक्ष ये भी निकला कि प्रशांत और नीतीश फिर साथ आ सकते हैं। इन अटकलों पर पीके ने मंगलवार को विराम लगा दिया। उन्होंने पटना से सटे दानापुर की मानस पंचायत के सरपंच का एक वीडियो ट्वीट किया। सीएम के अंदाज में लिखा- नीतीश ने कहा 'इन लोगों को कुछ पता है, कि 2005 से कितना काम हुआ है? प्रशांत ने वीडियो ट्वीट करते हुए कहा कि सुनिए, पटना से सटे दानापुर की मानस पंचायत के सरपंच बता रहे हैं काम की सच्चाई! यहीं वर्षों पहले जननायक कपूर्री जी ने कहा था कि इतनी बदहाली में लोग यहां जिंदा कैसे हैं? तब से अब तक कुछ नहीं बदला। वीडियो में मानस पंचायत के सरपंच अपने इलाक की समस्या बता रहे हैं। विदित हो कि मीडिया से बातचीत में प्रशांत ने मुख्यमंत्री से आत्मीय संबंध होने की बात कहते हुए कहा था कि हम नारा सुनते आए हैं कि फेविकोल

का जोड़ है, नहीं टूटने वाला। हमने देखा कि नीतीश कैसे भाजपा के साथ थे, फिर छोड़ा, फिर साथ आए, फिर छोड़ा। प्रशांत ने कहा कि हर तरह के जोड़ बने और टूटे केवल एक ही जोड़ नहीं टूटा और वो मुख्यमंत्री की कुर्सी और नीतीश के बीच का है। प्रशांत ने कहा कि ऐसी बाजीगरी केवल नीतीश ही कर सकते हैं, इसलिए मैंने कहा कि फेविकोल को कि नीतीश कुमार को अपना ब्रांड एंबेसडर बना ले।

मुस्लिम पक्ष को अदालत की फटकार 6 अक्टूबर से नियमित होगी सुनवाई

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद प्रकरण में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र पर मंगलवार की दोपहर अदालत में सुनवाई हुई। सिविल जज सीनियर डिवीजन कुमुदलता त्रिपाठी की अदालत में दाखिल प्रार्थना पत्र में उन्होंने सर्वे के दौरान ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग के नियमित दर्शन-पूजन भोग-आरती की मांग की थी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पूर्व में भी धरना प्रदर्शन कर वजूखाने में मिले शिवलिंग के नियमित पूजन अर्चन की मांग कर चुके हैं। हालांकि, जिला प्रशासन के अनुरोध पर उन्होंने धरना खत्म कर अदालत का रुख किया था। अब इसी मामले में मंगलवार को सुनवाई अदालत में हुई। वहीं वादी किरन सिंह के एक वाद में ज्ञानवापी परिसर को लेकर मुकदमा नंबर 712/2022 भगवान आदि विश्वेश्वर विराजमान बनाम उत्तर प्रदेश राज्य में अदालत ने मुस्लिम पक्ष को कड़ी फटकार लगाई है। सिविल जज सीनियर डिविजन फास्ट ट्रैक कोर्ट में उपरोक्त मुकदमे में मंगलवार की सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष ने अपने अधिवक्ता के बीमार होने की जानकारी दी। बीमारी की वजह से न्यायालय से जवाब फाइल करने के लिए दोबारा समय मांगा। जिस पर न्यायालय ने फटकार लगाते हुए उन्हें छह अक्टूबर तक का समय दे दिया। वहीं न्यायालय ने अंतिम चेतावनी देते हुए यह भी कहा है कि छह अक्टूबर से उपरोक्त केस में प्रतिदिन सुनवाई प्रारंभ की जाएगी। यदि छह अक्टूबर तक मुस्लिम पक्ष ने अपना जवाब फाइल नहीं

किया तो उनका अवसर समाप्त करते हुए न्यायिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। एक दिन पूर्व ही सोमवार को अदालत ने वाद को सुनवाई के योग्य पाते हुए मुस्लिम पक्ष की आपत्तियों को दरकिनार कर मामले की सुनवाई जारी रखने पर फैसला हिंदू पक्ष को दिया है। अब ठीक दूसरे दिन वजूखाने में मिले शिवलिंग के दर्शन पूजन और अर्चन सहित भोग को लेकर वाद पर सुनवाई होने जा रही है। शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के ब्रह्मलीन होने के बाद उनके उत्तराधिकारी स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद बने हैं। प्रतापगढ़ जनपद के मूल निवासी अविमुक्तेश्वरानंद ज्योतिषपीठ बद्रीनाथ का प्रमुख एक दिन पूर्व घोषित किए गए है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का जन्म प्रतापगढ़ के पट्टी तहसील के ब्राह्मणपुर गांव में 15 अगस्त 1969 को हुआ। इनका मूल नाम उमाशंकर है। इनकी प्राथमिक शिक्षा गांव के प्राइमरी पाठशाला में हुई। उसके बाद वह परिवार की सहमति पर नौ साल की उम्र में गुजरात जाकर धर्मसम्राट स्वामी करपात्री जी महाराज के शिष्य ब्रह्मचारी रामचैतन्य के सानिध्य में गुरुकुल में संस्कृत शिक्षा ग्रहण करने लगे। इसके बाद श्रीविद्यामठ के प्रमुख के तौर पर काशी में निवास कर धार्मिक गतिविधियों में जुट गए। ज्ञानवापी मस्जिद में कोर्ट कमिश्नर के सर्वे के दौरान कथित रूप से मिले आदि विश्वेश्वर शिवलिंग के मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द केदारघाट स्थित श्रीविद्या मठ में अन्न जल त्याग कर बैठे थे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह विवादः अदालत में नहीं हाजिर हुए विपक्षी, पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई

मथुरा। मथुरा की अदालत में मंगलवार को शाही ईदगाह मस्जिद पक्ष व अन्य विपक्षी हाजिर नहीं हुए। इसके कारण श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से संबंधित एक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने सुनवाई के लिए अगली तारीख तीन अक्तूबर तय की है। एडवोकेट महेंद्र प्रताप सिंह ने शाही ईदगाह मस्जिद का सर्वे कोर्ट कमिश्नर से कराने की मांग को लेकर पुनरीक्षण याचिका दायर की है। उस पर मंगलवार को सुनवाई होनी थी, लेकिन सुन्नी बोर्ड व अन्य वादी पक्ष हाजिर नहीं हुए। अब इस पुनरीक्षण याचिका पर तीन अक्तूबर को सुनवाई होगी। महेंद्र प्रताप सिंह ने बनारस कोर्ट के उस निर्णय की कॉपी भी मथुरा की अदालत में दी, जिसमें श्रृंगार गौरी केस को सुनने योग्य माना है। बता दें कि अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह व राजेंद्र माहेश्वरी ने दिसंबर 2020 में वाद दायर कर श्रीकृष्ण जन्मस्थान की जमीन से मस्जिद को हटाने की मांग की थी। एडीजे सप्तम संजय चौधरी की अदालत

ने सोमवार को पक्षकार अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह पर हाजिर न होने पर एक बार फिर से जुमार्ना लगाया। इस दफा अदालत ने 1000 रुपये का जुमार्ना लगाया है। सात सितंबर को अदालत द्वारा 500 रुपये का जुमार्ना लगाया गया था। उधर, अदालत में मौजूद विपक्षीगण ने केस को खत्म करने की मांग की।

संपादकीय

दावों के बरक्स

उत्तर प्रदेश में जघन्य अपराधों के जैसे मामले सामने आ रहे हैं, उससे यही लग रहा है कि वहां आपराधिक मानस वाले लोग एक बार फिर बेखौफ होने लगे हैं। यों सरकार की ओर से अब भी इस दावे में कमी नहीं आई है कि वह राज्य को अपराधियों और अपराध से मुक्त कर देगी। लेकिन आए दिन जिस तरह गंभीर अपराध की घटनाएं सामने आ रही हैं, उससे सरकारी दावों की हकीकत का पता चलता है। शनिवार को एक वीडियो के सुर्खियों में आने के बाद जिस तरह उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में एक दलित पृष्ठभूमि की नाबालिग लड़की से सामूहिक बलात्कार का आरोप और उसके बाद उसे जिंदा जला देने की खबर सामने आई, उससे ऐसा लगता है कि आपराधिक मानस वाले लोगों के भीतर कानून का कोई खौफ नहीं रह गया है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि दो युवकों ने एक दलित परिवार के घर में घुस कर इस वारदात को अंजाम दिया और ऐसा करने के बाद वे आसानी से फरार हो गए थे। अब इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन सवाल है कि आखिर इतनी जघन्य घटना में लिप्त आरोपियों के दिमाग पर कानून का खौफ क्यों नहीं था कि वे करने से पहले हजार बार सोचते! इस तरह की यह कोई अकेली वारदात नहीं है, जिसे उदाहरण बनाने को अतिरेक कहा जाए। यों कोई एक घटना भी सरकार के उन दावों पर सवालिया निशान होती है, जिसमें वह अक्सर जनता और खासतौर पर महिलाओं को हर स्तर पर सुरक्षित माहौल देने की बात करती है, मगर जमीनी हकीकत कुछ और होती है। उत्तर प्रदेश में आए दिन होने वाली आपराधिक घटनाएं यह बताती हैं कि वहां घोषित तौर पर तो अपराधी तत्त्वों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई की जा रही है कि वे सिर न उठा सकें, मगर रोजमर्रा होने वाली वारदात इसके उलट तस्वीर दिखाती है। पीलीभीत में ही एक अन्य मामले में बारहवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक नाबालिग दलित छात्रा से सामूहिक बलात्कार की घटना दर्ज की गई। इस मामले में भी दो आरोपी युवक लड़की को घर से उठा कर ले गए और सामूहिक बलात्कार की घटना को अंजाम दिया। चौबीस घंटे के भीतर यह सिर्फ एक जिले की घटना है। आए दिन राज्य भर में अलग-अलग अपराधों की आने वाली खबरें बताती हैं कि सरकार और पुलिस अपनी ड्यूटी और उससे उभरने वाले प्रभाव को पैदा करने में नाकाम हो रही हैं। गौरतलब है कि राज्य में जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी, तब भारतीय जनता पार्टी का सबसे बड़ा मुद्दा राज्य में होने वाले अपराध और उनके खिलाफ कार्रवाइयों में नरमी का ही था। इस मुद्दे को सबसे ज्यादा अहमियत मिली और राज्य में भाजपा की सरकार का गठन हुआ। शुरूआती दौर में अपराधों को रोकने और अपराधियों पर लगाम लगाने की घोषणा और सख्ती दिखी भी। लेकिन सच यह है कि आज भी हालात में कोई बड़ा सुधार नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की रिपोर्ट में पिछले साल के आंकड़ों के विश्लेषण के मुताबिक भी महिलाओं के खिलाफ अपराध, दहेज हत्या के साथ-साथ दलितों के उत्पीड़न के मामले में उत्तर प्रदेश अन्य राज्यों के मुकाबले ज्यादा दयनीय स्थिति में है। आखिर क्या वजह है कि समाज में अपेक्षया कमजोर माने जाने वाले तबकों के आम जीवन में वैसी सुरक्षा और सहजता नहीं दिखती, जिसका दावा अक्सर सरकार की ओर से किया जाता है। दलितों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर लगाम लगाए बिना क्या कोई भी सरकार खुद को जनता की हितैषी होने का दावा करने की स्थिति में होती है?

चल रही तकरार !

खबर मनमुटाव की ।
आ रहे बयान ।।
अपने अपने सबके ।
हैं शायद अरमान ।।
शुरू से ही अब तक ।
चल रही तकरार ।।
मिल जाता जब मौका ।
कर देते प्रहार ।।
अनबन लगातार ये ।
रही है ना थम ।।
मामला जो बन रहा ।
नहीं किसी से कम ।।
जोड़ना अभियान है ।
पर रहा है यह भी चल ।।
समय ही बताएगा ।
क्या निकलता हल ।।

–कृष्णेन्द्र राय

सुंदरता के दुश्चक्र में किशोर

किशोरवय विद्यार्थियों में सौंदर्य संवर्धन से लेकर वजन घटाने और शारीरिक सौष्ठव के नाम पर अजब-गजब खानपान अपनाकर बलिष्ठ बनने से जुड़े उत्पादों का सेवन बढ़ जाता है। तकलीफदेह है कि खुद को सुंदरता की एक तयशुदा छवि में ढालने के फेर में बच्चे गलतियों के कुचक्र में फंस जाते हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीइआरटी) द्वारा किए गए एक ताजा सर्वेक्षण के मुताबिक देश के पैंतालीस प्रतिशत बच्चे अपनी शारीरिक संरचना से खुश नहीं हैं। नई पीढ़ी की एक बड़ी आबादी अपने वजन, रंग-रूप और ऊंचाई को लेकर हीन भावना से ग्रस्त है। गौरतलब है कि यह अध्ययन देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग चार लाख स्कूली विद्यार्थियों को लेकर किया गया है। अपनी शारीरिक छवि को लेकर चिंतित बच्चों में छात्र और छात्राएं दोनों शामिल हैं।

यह वाकई चिंतनीय है कि मन-जीवन के निखार और व्यक्तित्व विकास के दौर में स्कूली बच्चे अपनी शारीरिक छवि को लेकर परेशान हैं। अच्छा दिखने के भाव से जुड़ी यह परेशानी असल में कई शारीरिक और मानसिक व्याधियों की जड़ बन रही है। इतना ही नहीं, कम उम्र में ही अपने निखार-संवार के लिए बच्चे बाजार के जाल में फंस रहे हैं। खेलकूद और अकादमिक स्तर पर बेहतर बनने का यह दौर उन्हें कई मनोवैज्ञानिक उलझनों में फंसा रहा है। शारीरिक संरचना को लेकर हमउम्र सहपाठियों से अपनी तुलना करने और खुद को कमतर आंकने की वजह से बच्चे अवसाद के घेरे में भी आ जाते हैं। किशोरमन में जड़ें जमाती यह असहजता कई मोर्चों पर उनके व्यक्तित्व और विचार दोनों को प्रभावित करती है। हाल के बरसों में सोशल मीडिया और स्मार्ट गैजेट्स ने हर उम्र के लोगों को अपने व्यक्तित्व को लेकर सहज रहने के बजाय असहज बना दिया है। तस्वीरों की दुनिया का नया संसार है ही ऐसा कि कोई अपने असल रंग-रूप में नहीं दिखना चाहता। जबकि खुद के प्रति स्वीकार्यता की सोच अपने अस्तित्व की चेतना को मान देने से जुड़ी है। यह आत्मविश्वास की कुंजी है। वैचारिक स्तर पर बेहतर इंसान बनने का मार्ग सुझाती है। अफसोस कि तकनीकी विस्तार ने शारीरिक छवि को लेकर भी एक-दूसरे की बराबरी करने और कमतरी की अनुभूति को बढ़ाने का काम किया है। सोशल मीडिया में अपने जीवन के हर पल को साझा करने की सोच ने कुछ ऐसा परिवेश बना दिया है कि स्कूली बच्चों को यह लगने लगा है कि उनके परिचित-अपरिचित मित्र, रिश्तेदार और सहपाठी सभी उनसे ज्यादा सुंदर दिख रहे हैं। ऊपर से तकनीक ने तस्वीरों में रंग-रूप बदलने की ढेर सारी सुविधाएं भी उपलब्ध करा दी हैं, जिसके चलते दूरदराज के इलाकों में बसे बच्चे भी खुद की तुलना तस्वीरों में दिख रहे हमउम्र बच्चों से करने लगते हैं। दुखद है कि सामान्य-सा लगने वाला यह व्यवहार बच्चों के मन पर खासा असर करता है। मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि तकनीक ने संवाद के मोर्चे पर दूरियां घटाई हैं, पर दूसरे स्तर पर कमतरी और प्रतिस्पर्धा भी भावना बढ़ा दी है। शोध पत्रिका ह्यन्यूरो रेगुलेशनह्ल में छपे एक अध्ययन के अनुसार सोशल मीडिया से ज्यादा जुड़ाव रखना इंसान के व्यवहार में बदलाव की वजह बन रहा है। डिजिटल माध्यमों की लत हमारी जैविक प्रतिक्रियाओं पर भी गहरा असर डाल रही है। ऐसे में कम उम्र में ही सौंदर्य संवर्धन और शारीरिक संरचना को एक तयशुदा खांचे में ढालने की सोच चिंतनीय है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बच्चों की मोबाइल फोन और अन्य उपकरणों की मदद से इंटरनेट तक बढ़ी पहुंच का शरीर, व्यवहार और मन पर पड़ने वाले प्रभावों से जुड़े अध्ययन में बताया गया था कि स्मार्ट फोन का इस्तेमाल करने वाले लगभग 23.8 प्रतिशत बच्चे सोने से पहले स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। स्मार्टफोन के उपयोग के कारण 37.15 प्रतिशत बच्चों में एकाग्रता की कमी देखने को मिली है। हालांकि कोरोना काल में आनलाइन पढ़ाई की मजबूरी ने बच्चों की स्मार्ट फोन तक पहुंच बढ़ा दी है, पर स्कूली बच्चों की एक बड़ी आबादी पढ़ाई से इतर भी इन गैजेट्स का इस्तेमाल करती है, जो न केवल उनका समय और सेहत छीन रहा है, बल्कि खुद के प्रति नापसंदगी की उलझन भी ला रहा है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के ही अभिभावकों, विद्यार्थियों और शिक्षकों को लेकर किए एक अन्य राष्ट्रव्यापी

अध्ययन के मुताबिक केवल 10.1 फीसद बच्चे ही आनलाइन सीखने की गतिविधियों के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करना पसंद करते हैं। दस साल के 37.8 फीसद बच्चों का फेसबुक अकाउंट है। इसी आयुवर्ग के 24.3 फीसद बच्चों का इंस्टाग्राम अकाउंट है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आठ से अठारह साल की उम्र के 30.2 फीसद बच्चों के पास अपना अलग स्मार्टफोन है और वे उसका इस्तेमाल सभी उद्देश्यों के लिए करते हैं। इसका सीधा अर्थ है कि बच्चों का काफी समय आभासी मंचों पर बीत रहा है, जहां हमउम्र साथियों की तस्वीरें, चर्चित चेहरे और बाजार से जुड़ी अबाध जानकारियां उनके मन-मस्तिष्क में अपनी शारीरिक छवि के प्रति भटकाव पैदा कर रही है।

मनस्थिति के इसी मोड़ पर बाजार की रणनीति बच्चों को घेरती है। किशोरवय विद्यार्थियों में सौंदर्य संवर्धन से लेकर वजन घटाने और शारीरिक सौष्ठव के नाम पर अजब-गजब खानपान अपना कर बलिष्ठ बनने से जुड़े उत्पादों का सेवन बढ़ जाता है। तकलीफदेह है कि खुद को सुंदरता की एक तयशुदा छवि में ढालने के फेर में बच्चे गलतियों के कुचक्र में फंस जाते हैं। शारीरिक संरचना को लेकर खुद को कमतर आंके जाने के माहौल में कई किशोरवय लड़के-लड़कियां दुबले होने, रंग गोरा करने, यहां तक कि नैन-नक्श जैसी बातों को लेकर सेहत को नुकसान पहुंचाने वाले तरीके अपना लेते हैं। इतना ही नहीं, शारीरिक संरचना में औरों से पीछे छूट जाने का भाव उनमें ईर्ष्या और अवसाद जैसे नकारात्मक भावों को भी जन्म देता है। खुद की अवास्तविक छवि बनाने की सोच असली संसार और आभासी दुनिया में अजब-गजब लोगों से जुड़ने की ओर भी ले जाती है। कुल मिलाकर देश का भविष्य कहे जाने वाले बच्चे अपने गुणों को तराशने के बजाय पहचान के संकट का शिकार हो जाते हैं। दरअसल, अधिकतर सोशल मीडिया मंच इन्सान की एक दिखावटी-बनावटी छवि रचने वाले माध्यम बन गए हैं। खासकर इंस्टाग्राम जैसा मंच तो चर्चित चेहरों और अपने दोस्तों को अनुसरण करने और अपनी जिंदगी की मनचाही छवि पेश करने का ही मंच है।

मैं लिखुंगी

मेरा मन करेगा तो प्रेम पर लिखुंगी
मन किया तो संविधान पर कटाक्ष लिखुंगी
लिखुंगी मैं महिलाओं के सशक्तीकरण पर
लेकिन महिलाओं के साथ हुआ हर अन्याय और अत्याचार भी लिखुगीं
तुम बताओंगे सिर्फ विदेशीयों को दुराचारी और अत्याचारी
पर मैं हिंदुओ द्वारा हिन्दूओ पर किया गया हर अत्याचार अछूतपन भी कहूँगी
औरत होती है पूज्यनीय कहने वालों के घर मे ही
दलित औरतों संग हुआ है शोषण...यह भी कहूँगी
तुम कृष्ण और राम को प्रेमका प्रतिक बना कर पुजोगे मंदिरो मे ...अहंकार का दम भरोगे
पर मैं तो लोगो द्वारा किये गये ऑनर किलिंग का आँकड़ा भी लिखुंगी
तुम चाहोगे मैं माँ सीता, और लक्ष्मीबाई की सिर्फ महान गाथा लिखूँ
पर मैं तो तुम्हरे गाँव,शहर, मोहल्ले मे
हिंसा का शिकार हुईं महिलाओं का भी सच भी लिखुंगी
तुम मुझ पर अपने -अपने दिखावटी संस्कारो के शब्द बाण से कोशिस जारी रखना
पर मैं तुम्हरे दोहरेपन का सच ही लिखुंगी
लिखुंगी तो वही जो लगेगाअन्तर्मन को सही

रंजना यादव
बलिया

चौराहे पर बत्तियों की बातें

हमारे शहर में एक मशहूर चौराहा है- तीन बत्ती चौराहा। यह महज एक चौराहा नहीं, बल्कि पूरे देश का प्रतिबिंब है। कहने को इस चौराहे पर कई सालों से तीन बत्तियां लगी हुई हैं, लेकिन आजकल अक्सर ये बंद ही पड़ी रहती हैं। हमारे शहर के तीन बत्ती चौराहे पर लगी हुई तीनों लाल, पीली और हरी बत्तियां महज यातायात संकेतक नहीं, बल्कि प्रजातंत्र की प्रतीक हैं।

जिन दिनों ये तीनों बत्तियां बंद रहती हैं, उन दिनों इन बत्तियों का काम एक अदद सिपाही अपनी दो भुजाओं और मुंह में रखी हुई एक अदद सीटी के भरोसे संभाले रहता है। वहां से गुजरने वाले वाहन चालक जितनी परवाह लाल बत्ती की करते हैं, शायद उतनी ही परवाह उस सिपाही के संकेतों की भी करते होंगे। कुछ तो कानून के साथ आंख-मिचौली करने में ही बड़े गर्व का अनुभव करते हैं और कुछ के लिए तो यह सब शगल बनकर रह गया है। जबकि चौराहे पर लगी तीनों बत्तियां चौराहे की व्यवस्था का आधार स्तंभ हैं। इन बत्तियों में तालमेल कुछ ऐसा है कि कभी कोई एक दूसरे के अधिकार क्षेत्र में दखल नहीं देती। तीनों बत्तियां हमेशा एक साथ एक ही जगह पर पाई जातीं। तीनों सुबह एक साथ समय से काम पर लग जातीं। उनके बीच इतना अच्छा तालमेल देख कई लोग मन ही मन उनसे ईर्ष्या करते थे। ऐसे लोग हमेशा अपना उल्लू सीधा करने की फिराक में रहते और जिन्हें कभी भी कोई काम कायदे से करना पसंद नहीं था, वे अपने आप को कानून से ऊपर समझते थे।

इन तीनों बत्तियों की सारी व्यवस्था एक मजबूत खंभे पर टिकी हुई थी। आंधी हो या बरसात, खंभा अपने स्थान से टस से मस नहीं होता और तीनों बत्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की जिम्मेदारी ऐसे संभाले हुए था , मानो प्रजातंत्र का कोई अहम खंभा हो। भले लोग इन तीनों बत्तियों की बहुत इज्जत करते, क्योंकि वे जानते थे कि ये हमेशा हमारे ही भले की चिंता करती हैं। वहां से गुजरते समय उनके मात्र एक इशारे पर रुकने और चलने के लिए सदैव तत्पर रहते। ऐसे लोग पीली बत्ती की नसीहत का भी पूरा सम्मान करते। यों भी, एक सभ्य और जिम्मेदार नागरिक अपनी जिम्मेदारियों को समझता है। सब कुछ अच्छा-भला चल रहा था कि अचानक कुछ ऐसा हुआ कि वह खंभा निकटता का लाभ उठाकर पहले चुपचाप लाल बत्ती के कानों में और फिर खुलेआम उसके पक्ष में कुछ ज्यादा ही बोलने लगा। अक्सर वह उससे कहता रहता कि तुम्हारे बगैर पीली और हरी बत्तियों का कोई अस्तित्व नहीं है। असली ताकत तुम्हारे अंदर है। इसीलिए तुम्हारा स्थान सबसे ऊपर है। तुम्हारी चेतावनी को नजरअंदाज करने वालों को उसके परिणाम भी भुगतने पड़ते हैं। सरकारी आय में इजाफा करने में तुम्हीं सदैव अग्रणी भूमिका में रहती हो। तुम्हारे भीतर ही सारे जीवन रक्षक गुण विद्यमान है। रात-दिन अपनी तारीफ सुन-सुनकर कानों की कच्ची लाल बत्ती भी उसकी बातों में आ गई और उसे भी यह गुमान हो गया कि वही तीनों में श्रेष्ठ है। दूसरी तरफ, वही खंभा हरी बत्ती के कानों में जाकर कहता कि असली ताकत तो तुम्हारे पास है।

मिजार्पुर पुलिस और आबकारी विभाग ने अवैध शराब कारोबारियों के यहां मारा छापा

प्रखर मिजार्पुर। थाना लालगज क्षेत्र के खजूरी कॉलोनी में पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने आज अवैध शराब कारोबारियों के यहा छापामार कर भारी मात्रा में लहन को नष्ट करते हुए शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया , मिजार्पुर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपद में अवैध शराब कारोबारियों पर अभियान चलाने का आदेश दिया है , आज थाना लालगंज अंतर्गत खजुरी कॉलोनी में आबकारी विभाग के रोशनलाल आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-3 , लालगंज विवेक दुबे आबकारी निरीक्षक , सदर व प्रभारी निरीक्षक थाना लालगंज की संयुक्त टीम द्वारा अवैध शराब कारोबारी के यहा छापामार जहा लगभग 700 कि0ग्रा0 लहन महुआ को मौके पर नष्ट किया गया , साथ ही 25 लीटर कच्ची अवैध शराब को जब्त करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

सपा सुप्रीमो अखिलेश की दरियादिली विधायक के हाथों भेजवाया मदद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने रहमदिली दिखाते हुए दुखी परिवार को 50 हजार की आर्थिक मदद भेजवायी है। जिसे आज सपा के विधायक मन्नू अंसारी व वरिष्ठ नेता सनातन पांडेय के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने राहत चेक परिवार को सौंपा। विगत दिनों सुहवल थानांतर्गत साईत बांध गांव की महिला सुनीता ने अपने मायके ढढ़नी में पारिवारिक विवाद के चलते अपने तीन बच्चों को सल्फास दे दिया था जिसकी वजह से तीनों बच्चों की मौत हो गयी थी। महिला तो जेल में हैं लेकिन पीड़ित परिवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 50हजार रुपये की सहायता राशि चेक के माध्यम से भेजा जिसे मुहम्मदाबाद के विधायक मन्नू अंसारी, बलिया लोकसभा से चुनाव लड़ चुके सनातन यादव ने संयुक्त रूप से उसके पति बालेश्वर यादव और बचे छोटे बच्चे शिव को प्रदान किया। इस अवसर पर विधायक मन्नू अंसारी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की नजर प्रदेश के हर गरीबों पर हैं। उन्होंने इस घटना को अत्यंत दुखदाई बताते हुए कहा समाजवादी पार्टी गरीबों के साथ खड़ी है । उन्होंने कहा कि अखिलेश जी ने इस परिवार की आर्थिक मदद से यह साबित होता है कि अखिलेश जी की नजर प्रदेश के हर गरीब पर है। उन्होंने कहा कि समाजवादियों का यह नारा रहा है कि ह्लगरीब को मिले रोटी तो मेरी जान भी सस्ती हैह्व उन्होंने कहा कि इसी नारे पर अमल करते हुए हर गरीब की मदद के लिए समाजवादी पार्टी का हर कार्यकर्ता तन मन धन से तैयार रहता। इस अवसर पर मुख्य रूप से गोवर्धन यादव, गोपाल यादव, अजय यादव,पंकज यादव,पारस नाथ पाठक, ओमप्रकाश यादव प्रधान, धर्मेंद्र यादव पूर्व जिला पंचायत सदस्य, रविन्द्र यादव, शशिकांत यादव, रमाकांत यादव, श्याम यादव, सुदर्शन यादव, मारकंडेय यादव, अरुण यादव, त्रिभुवन यादव आदि उपस्थित थे।

इस वजह से दबाव में आकर चीन अपनी सेना पीछे हटाने पर मजबूर हुआ

लद्दाख सीमा से अच्छी खबर है। खबर है कि गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स ढढ-15 के क्षेत्र में भारतीय और चीनी सैनिकों ने समन्वित और नियोजित तरीके से पीछे हटना शुरू कर दिया है। भारत-चीन की ओर से संयुक्त बयान में ये जानकारी दी गई। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की बैठक के 16वें दौर में बनी आम सहमति के अनुसार, गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स (पीपी-15) के क्षेत्र में भारतीय और चीनी सैनिकों ने समन्वित और नियोजित तरीके से पीछे हटना शुरू कर दिया है। इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में शांतिपूर्ण माहौल बनाने में मदद मिलेगी।

भारत और चीन का सेना हटाने का निर्णय बहुत अच्छा है। किंतु इसका ईमानदारी से पालन किया जाना चाहिए। क्योंकि चीन की ओर से ऐसा होता नहीं है। चीन अपनी बात पर प्रायः टिकता नहीं है। वह एक जगह समस्या खत्म करता है। दूसरी जगह नया मोर्चा शुरू कर देता है। बताया गया है कि इस बार सेना हटाने का यह निर्णय 16वें दौर की भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की बैठक में हुआ। भारत की तरफ चुशुल-मोल्दो सीमा मिलन स्थल पर 17 जुलाई को ये बैठक हुई थी। इसमें दोनों पक्ष पश्चिमी क्षेत्र में जमीन पर सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने पर सहमत हुए थे। इस दौरान हॉट स्प्रिंग क्षेत्र के पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 से सैनिकों की वापसी पर सहमति बनी थी। 16वें दौर की सैन्य वार्ता करीब साढ़े बारह घंटे तक चली थी। इस दौरान भारत ने फिर से चीन पर दबाव डाला कि वह पूर्वी लद्दाख के विवाद वाले क्षेत्रों से सेना पूरी तरह पीछे हटाए। सेना के पीछे हटने के बारे में बताया कुछ भी जा रहा हो किंतु सच्चाई यह है कि चीन सेना हटाने को लेकर इसलिए सहमत हुआ क्योंकि 15-16 सितंबर को उज्बेकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का वार्षिक शिखर सम्मेलन है। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग शामिल होंगे। चीन को लगा कि इस तनावपूर्ण माहौल में बैठक की कामयाबी की उम्मीद नही की जा सकती। भारत इस तरह के मंचों पर चीन की गलत हरकतों से पहले ही दुनिया को अवगत कराता रहा है। यदि यह बैठक न होती तो चीन शायद कभी भी अपनी हरकत से बाज न आता। उसकी सेनाएं ऐसे ही तैनात रहतीं, जैसी थीं। ऐसा ही डोकलाम विवाद के समय हुआ था। तीन माह से भारत और चीन की सेना यहां आमने-सामने थीं। चीन यहां से सड़क बनाना चाहता था। भारत इस बात पर अड़ा था कि वह सड़क नहीं बनने देगा। भारतीय सैनिकों ने चीन के सड़क बनाने के उपकरण ठेल कर नीचे गिरा दिए थे। वहां भी तीन महीने तक हालत नाजुक बने रहे। दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने रहीं। चीन में ब्रिक्स देशों का सम्मेलन होना था। चीन में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाना था। चीन को डर था कि उसके रवैये के कारण यदि मोदी ने बैठक में शामिल होने से इंकार कर दिया तो ये बैठक कामयाब नहीं होगी। इसकी सारी जिम्मेदारी उसके सर डाल दी जाएगी। ब्रिक्स देशों की मीटिंग के लिए उसने विवाद को निपटाने में रूचि ली। ऐसा ही इस बार शंघाई शिखर सम्मेलन की बैठक के कारण हुआ है। ब्रिक्स देशों की मीटिंग के बाद मई 2020 में चीन ने भारत-लद्दाख सीमा पर विवाद खड़ा कर दिया था। तब से भारत ने अपने सैनिकों को चीन के सैनिकों को पैट्रोलिंग पॉइंट 15 के पास उनके सामने तैनात किया हुआ है। कई माह पूर्व हुए समझौते के तहत भारत और चीन पैंगोंग त्सो लेक के दोनों किनारों से सैनिकों को हटा भी चुके हैं। दरअसल चीन इस तरह के विवाद खड़े करके लाभ उठाने का आदी रहा है। वह विवाद खड़ा करके सामने वाले देश को डराने के लिए अपनी सेना तैनात कर देता है। ऐसा करके वह अपनी साइड के उस क्षेत्र में निर्माण करने लगता है, जो विवादास्पाद है।

प्रसव के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

प्रखर जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के नौपेड़वा बाजार में सोमवार को सेवानिवृत्त एएनएम के आवास पर प्रसव के दौरान एक महिला की मौत हो गई। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। मृतका की सास ने सेवानिवृत्त एएनएम के खिलाफ तहरीर दी है। ब्राह्मणपुर बरखंडी गांव निवासी संतोष निषाद की पत्नी संगीता देवी को प्रसव पीड़ा होने पर नौपेड़वा गल्लामंडी में सेवानिवृत्त एएनएम शांति सिंह के घर ले जाया गया। शांति घर पर ही प्रसव कराती हैं। संगीता की सास गीता देवी ने तहरीर में आरोप लगाया है कि संगीता का जबरन प्रसव कराया गया। प्रसव से पूर्व दस हजार रुपये भी लिए गए है। पुत्र का जन्म हुआ। कुछ घंटे के बाद महिला की हालत बिगड़ने लगी। जिसके बाद वहां से दूसरे अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां मौत हो गई। घटना के बाद नाराज परिजन शव को लेकर थाने पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन किया। थानाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच के बाद कार्रवाई होगी।

हिन्दी दिवस (14 सितंबर) पर खास

फैशन में इतना ना इतराओ,मत लहंगा चिंदी की बात करो। करना है तो भारत मां के बिंदी की सब बात करो। दुनियां भर की भाषा पर जिसकी है मजबूत पकड़, भाषा में भाषा हिन्दी की, हिंदी में सब बात करो।।

ब्रिटिश हुकूमत में जो तन कर, आजादी की अलख जगाई। आजादी में मिल का पत्थर बनी भाग्य पर इठलाई।।

सरस सरल सुबोधगम्य है शब्दों का भंडारगृह ,बोल चाल की अपनी भाषा का चिंतन दिन रात करो।।

गौरीशंकर पाण्डेय सरस

पूर्व कैबिनेट मंत्री व विधायक फतेह बहादुर सिंह से मिल किसानों ने उचित मुआवजा के लिए दिया ज्ञापन

प्रखर गोरखपुर। नगर पंचायत पीपीगंज के सटे नगर पंचायत पीपीगंज में सम्मिलित ग्राम सभा बगहीभारी , साहबगंज जंगल बिहुली जंगल अगही, की भूमि अधिग्रहण एनएच 29ई गोरखपुर सोनौली राजमार्ग पर फोरलेन नैनसर टोल प्लाजा से रावत गंज बाईपास बनाया जा रहा है। जिसमें किसानों ने कैंपियरगंज के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री फतेह बहादुर सिंह से मिलकर अपनी समस्याओं को बताया। किसानों का कहना है कि बिना नोटिस दिए एवं बिना बताए कि कितना प्रति डिसमिल का प्रतिकार का भुगतान किया जा रहा है।भूमि अधिग्रहण का प्रारूप तैयार कर लिया गया जो नियम के विपरीत है। आज सैकड़ों की संख्या में किसान अपने मुआवजे की मांग को लेकर पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कैंपियरगंज के विधायक फतेह बहादुर सिंह से मिलकर मौखिक शिकायत किए। जिस पर तत्काल अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व

विभाग को किसानों के हित के लिए उन्होंने आदेश दिया कि किसानों के हित को देखते हुए नियम के अनुसार काम किया जाए। सैकड़ों की संख्या में किसान लोगों ने मांग किया कि जहां कृषि योग्य भूमि हो उसका प्रति कर उस हिसाब से दिया जाए एवं जहां रोड की जमीन हो उसका अधिग्रहण उस हिसाब से किया जाए। सभी लोगों का कहना है कि जिसका रोड पर जमीन है उसका भी भुगतान उसी प्रकार किया जा रहा है और जिसका गड्ढे में जमीन है जो कृषि योग्य भी नहीं है उसका भी भुगतान उसी प्रकार किया जा रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि जब हम लोग जमीन क्रय करते हैं तो तो ढाई लाख रुपए की रेट से स्टांप शुल्क लिया जाता है। लेकिन वहीं जमीन जब हम लोगों से लिया जा रहा है तो तिरपन हजार रुपए प्रति डिसमिल के हिसाब से लिया जा रहा है। जो की नियम के विपरीत है एवं किसानों के ऊपर कुठाराघात है। उक्त अधिग्रहण में भूमि अधिग्रहण बिल 2013 का खुला उल्लंघन किया जा रहा है एवं किसानों को मुआवजा देने में मानक का अनुपालन नहीं किया जा रहा है।जिसमें मुख्य रुप से शिकायत करने वाले एडवोकेट रामानंद ढाढ़ी वाले, राजेश मद्धेशिया उर्फ राजू आलोक मल्ल एडवोकेट नीरज शाही रवि प्रकाश सूर्य देव पाठक चंद्रकेश पाठक ब्रह्मदेव पाठक कपिल देव पाठक देवीलाल अभिषेक यादव प्रदीप चौहान कपिल देव यादव शिव पूजन यादव विश्वनाथ चौधरी अशोक कुमार साहनी विनय चौधरी श्रीराम करन साहनी जीवन चौधरी जितेंद्र कुमार राधेश्याम रामचंद्र दीपक कुमार राम सजन रामप्रीत धर्मेंद्र उदय भान गुड्डू साहनी आकाश चौधरी राम भवन त्रिलोकी सतीश विनय कुमार जवाहिर गणेश हरिशंकर यादव टिकोरी दीपचंद विजय भान चौधरी साधु शरण चंद्रकेश रामशंकर राममिलन शारदा देवी चुन्नीलाल सोहनपाल अवधेश लाल गिरजेश पाल राम ललित सोमई ,नबी, रजा, बाड्डू, श्रवण, सुंदर प्रसाद, संतराज सहानी, संजय कुमार, मुन्नर लाल, छेदी लाल यादव, दिनेश साहनी, राम रूप पाल, हरिलाल निषाद ,रामजतन निषाद आदि लोगों ने अपने भूमि अधिग्रहण का मुआवजा सही दिलाने के लिए मांग किया।

बच्चा चोरी की अफवाह फैला, मारपीट करने वाले 5 को पुलिस ने भेजा जेल

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के सरिया ग्राम सभा के चकजाता गांव में एक बुजुर्ग पर बच्चा चोरी करने का आरोप लगाकर उसे जमकर पीटा। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को जेल भेजा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज करा रहे सिंगरौली के देवसर निवासी 60 वर्षीय राम प्रसाद सोमवार की रात सरिया ग्राम में भटकर चले गए थे । रात में किसी अंजान को देखकर ग्रामीण बच्चा चोर समझकर उसके कपड़े उतारे और जमकर पिटाई किया । ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण नही माने और वृद्ध को छोड़ने को राजी ही नहीं हो रहे थे घंटो मशक्क्त के बाद किसी तरह देर रात पुलिस वृद्ध को छुड़ाकर अस्पताल में भर्ती कराया और वहा पर उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने ग्राम प्रधान निरंजन यादव की तहरीर पर संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया और नामजद पांच आरोपी इकरार अहमद पुत्र समसुद्दीन निवासी सरिया, जुम्मन अंसारी पुत्र चैनार, रविदास पुत्र सुखराम, मोहम्मद इकबाल पुत्र समसुद्दीन निवासी सरिया, सूरजभान पुत्र रामस्वरूप बरौली राजस्थान को मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

उचक्कों ने सर्राफा व्यवसाई से 60 हजार का जेवर किया पार

प्रखर शाहगंज (जौनपुर)। सोमवार की देर शाम नगर के श्रीरामपुर रोड क्लेक्टरगंज स्थित स्वर्ण व्यवसाई राधेश्याम की दुकान पर अपाचे पर सवार दो युवक पहुंचे और जेवर दिखाने की बात कही।दुकानदार ने जेवर दिखाना शुरू किया इसी बीच दोनो युवकों ने अपनी बातों में उलझाकर चलने लगे शक होने पर दुकानदार ने उन्हें रोकना चाहा मगर उक्त दोनों उचक्के उन्हें धक्का देकर बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। पीड़ित की सूचना पर पहुंची कोतवाली मामले की जांच पड़ताल में जुट गई।बगल में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उचक्कों की तलाश जारी है। बताया जा रहा है उचक्कों ने दो कान का बाला जिसकी कीमत लगभग 60 हजार बताई जारही

है।पार कर दिया। बताते चले अभी नवागत प्रभारी निरीक्षक सदानंद राय ने सोमवार को ही चार्ज लिया और देर शाम यह घटना हो गयी।जो पुलिस के सामने चुनौती बन गयी है।

आयुष्मान भारत योजना पखवाड़ा कल से शुरु

प्रखर मिजार्पुर। जनपद में आयुष्मान भारत योजना पखवाड़ा कल से शुरू हो रहा है। यह जानकारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद ने एक बैठक में दी। उन्होंने बताया कि आयुष्मान पखवाड़ा जनपद के मण्डलीय चिकित्सालय समेत 16 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 53 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों समेत स्वास्थ्य उप केंद्रों पर 30 सितम्बर तक चलेगा। इसके लिए सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों, आशा, एएनएम व स्वास्थ्य कर्मियों को पूर्व में ही पत्र के माध्यम से सूचित कर दिया गया है। अभियान के दौरान मानीटरिंग के लिए चार अपर मुख्य चिकित्साधिकारियों को तैनाती की गई है। हर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी को जिले के तीन-तीन विकास खण्डों की जिम्मेदारी दी गई है। इस दौरान लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इंजीनियर्स डे पर इस साल भी लगेगा रक्तदान शिविर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। इंजीनियर्स डे 15 सितंबर के अवसर पर उत्तर प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ जनपद इकाई द्वारा पीडब्ल्यूडी क्रांति खंड के प्रांगण में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया है। पत्रकार वार्ता में महासंघ के अध्यक्ष इंजीनियर सुरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए जागरुकता अभियान शुरू हो गया है जिसके लिए हर विभाग में जा-जाकर सदस्यों को रक्तदान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस बार रक्तदान शिविर में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन गाजीपुर नियमित वर्ग चार्ज कर्मचारी संघ पीब्डल्यूडी के सदस्य भाग लेंगे। रक्तदान शिविर के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी गाजीपुर, विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक गाजीपुर, अति विशिष्ट अतिथि जिला जज गाजीपुर होंगे। इसके अलावा मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, एसडीएम

और वरिष्ठ कोषाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए संयुक्त रुप से जागरुकता रैली निकाली जायेगी। इस अवसर पर इ. अरविंद नाथ राय, अखिलेश यादव, विजय कुमार सिंह, अंबिका दूबे, हरीशचंद्र, चंदन वर्मा, राजेश कुमार, अश्वनी कुमार, संदीप कुमार, सौरभ पांडेय, शहनवाज, अहिलेश मौर्या, जितेंद्र यादव, बलराम साहनी, वीरेंद्र, हिमांशु, जितेंद्र बहादुर, दीवाकर विक्रम, सुनील कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

खबरों के असर का बोलबाला बंद पड़े शौचालय का खुला ताला

प्रखर मिजार्पुर/जमालपुर। समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के खबर का पंचायत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कुछ ऐसा असर पड़ा कि तुरंत चौबीस घंटे के अंदर ही ग्रामपंचायत-मनऊर में स्थित सामुदायिक शौचालय का ताला खुल गया और सामुदायिक शौचालय की देखभाल के लिए नियुक्त स्वयम् सहायता समूह एवं सफाई कर्मियों द्वारा तुरंत शौचालय तक पहुंच मार्ग की मरम्मत,खराब हैंडपंप की मरम्मत,झाड़ू,बाल्टी आदि की व्यवस्था करते हुए शौचालय के बाहर-भीतर,साफ-सफाई करा दिया गया।बता दें कि अन्न दाता मंच के संयोजक चौधरी रमेश सिंह द्वारा ग्राम पंचायत-मनऊर मे बहुत दिनों से बंद पड़े सामुदायिक शौचालय को संचालित किए जाने की मांग को समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया में प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद जिले के आला अधिकारियों के संज्ञान में आते ही तुरंत एक्शन लिया गया।जिसके तहत विकास खण्ड जमालपुर के खण्ड विकास अधिकारी श्री शैलेन्द्र सिंह द्वारा मौके पर पहुंचकर सामुदायिक शौचालय को संचालित करने के जिम्मेदार कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए सब कुछ ठीक कराया गया तथा

शौचालय की देखभाल के लिए नियुक्त दुर्गा स्वयम् सहायता समूह के समूह सखी को हमेशा शौचालय को खुला एवं साफ-सुथरा रखने का निर्देश देते हुए पानी की टंकी को भरने के लिए सबमर्सिबल पम्प,बिजली आदि की व्यवस्था तुरंत किये जाने का निर्देश दिया गया।बहुत दिनों से बंद पड़े सामुदायिक शौचालय को चालू किए जाने पर चौधरी रमेश सिंह,सुरेंद्र प्रताप सिंह, रमेश कुमार,मनोज कुमार,योगेश सिंह,शिवप्रसाद सिंह,दीपक,रामशरन सिंह,बशिष्ठ सिंह,अमीत सिंह,अजय सिंह आदि ग्रामीणों द्वारा सराहना करते हुए समस्त सम्मानित मीडिया बन्धुओं के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया गया है।

क्षेत्र पंचायत सदस्यों की हुई बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

प्रखर दानगंज वाराणसी। हरहुआ विकास खंड के उदयपुर स्थित क्षेत्र पंचायत सदस्य अजय चौबे के कार्यालय पर क्षेत्र पंचायत सदस्यों की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें बीडीसी के मांगो और विकास कार्यों पर चर्चा की गई।रविवार को प्रधान बीडीसी स्वाभिमान संघ के बैनर तले हुई बैठक में जिला अध्यक्ष अनिल पटेल, जिला उपाध्यक्ष अजय चौबे के उपस्थिति में विभिन्न क्षेत्रों से आए क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने विकास कार्यों में आ रही समस्याओं से संघ को अवगत कराया। सभी ने मांग किया कि शासन ग्राम प्रधानों की भांति बीडीसी को भी उनका अधिकार दे। बीडीसी के लेटर पैड को मान्यता दे, बीडीसी के लिए विकास निधि की व्यवस्था किया जाए, मनरेगा के तहत उन्हें भी विकास कार्य कराने का अधिकार मिले,समय से बैठक भत्ता का भुगतान किया जाय समेत अन्य मांगो को जोरदार तरीके से उठाने पर चर्चा हुई।बैठक के दौरान जिलाध्यक्ष अनिल पटेल,जिला उपाध्यक्ष अजय चौबे,जिला महासचिव राजेश कुमार वर्मा, जिला संगठन मंत्री चांद रतन धुर्वे,अशोक कुमार, धीरज सिंह, चंद्रदेव,सत्यप्रकाश चौबे समेत दर्जनों बीडीसी मौजूद रहे।

सिंचाई विभाग की उदासीनता से किसानों ने की अपने हाथों से नहर की सफाई

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। इमिलिया चट्टी - जरगो बांध से निकली नहर जो कि पौनी बैरियर से होकर बसाढ़ी गांव से लालपुर को जाती हैं , जानकारी के अनुसार जरगो बांध से निकली नहर जो कि पौनी बैरियर से होकर बसाढ़ी होते हुए लगभग तीन

किलोमीटर दूर तक जाती हैं नहर कि सफाई न होने से किसान काफी परेशान हैं, मंगलवार को लगभग सैकड़ों कि संख्या में किसानों ने नहर का सफाई किया, वहीं किसानों ने बताया कि नहर की सफाई सिर्फ अधिकारियो द्वारा कागजों पर कराया जाता है,और सारा पैसा अधिकारी हजम कर जाते है,वही जब किसानों के टेल तक नहर का पानी नही पहुंच पा रहा था तो रजौली गांव और आसपास के कुछ किसान मिलकर नहर की सफाई करते हुए टेल तक पानी पहुंचाने का कार्य करते हुए खेत की सिंचाई करते हैं,यह किसानों के लिए दुर्भाग्य है नहर कि सफाई करना पड़ रहा हैं, सिंचाई के लिए पानी लें जाना बहुत ही कठिन है,नहर कि स्थिति दैनी हैं, चारों तरफ जलकुंभी और घांस में नहर जकड़ गया हैं, वही किसानों का कहना है कि नहर की सफाई ना होने से हम सभी किसान कॉफी परेशान होकर आज मिलकर नहर की सफाई कर रहे हैं , वही मौजूद किसानों में मुकुट धारी किसान यूनियन के वरिष्ठ कार्यकर्ता,अर्जुन सिंह ,राजेश कुमार, राकेश कुमार, ज्ञान प्रकाश जयप्रकाश, मुन्नीलाल, गणेश प्रसाद, लोकपति ,कृष्ण कांत, नागेंद्र प्रसाद, अशोक कुमार, कल्लू सिंह, रामसिंह,विहारी सिंह, अनन्त राम, महेंद्र प्रताप सिंह,राजनायण सिंह, सहित समस्त किसान उपस्थित रहें।

अनमय के इलाज तक सतत अभियान जारी रहेगा : विकास तिवारी

प्रखर डेस्क। अनमय बचाओ अभियान के अंतर्गत आज जनपद के वाजिदपुर तिराहा स्थित वेब कोचिंग व एमपीएस क्लासेस नाम उच्च शिक्षण कोचिंग संस्थानों में व्यापक रूप से अभियान चलाया गया। अभियान सुबह 8 बजे से प्रारम्भ होकर लगभग 11 बजे तक चला। अभियान की अगुवाई करते हुए विकास तिवारी ने सर्वप्रथम संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर अमित पाण्डेय जी के सहयोग से कोचिंग की प्रत्येक कक्षाओं में जाकर बच्चो से मदद की अपील की। गौरतलब हो सुल्तानपुर जनपद का निवासी 7 माह का अनमय स्पाइनल मस्कुलर एट्रोपी टाइप 1 नामक गम्भीर बीमारी से जूझ रहा है जिसके इलाज के लिए लगभग 16 करोड़ रुपये की आवश्यकता है तमाम समाजसेवियों व निजी संस्थाओं ने अनमय मदद की एक मुहिम चला रखी है। इस क्रम में जौनपुर के युवाओ की एक टोली विकास तिवारी व अतुल सिंह के तत्वाधान में हाथों में अनमय बचाओ अभियान लिखा हुआ एक बड़ा बैनर तथा एक डोनेशन बॉक्स लेकर शहर के वाजिदपुर स्थित वेब कोचिंग संस्थान में व्यापक

स्तर पर मदद का अभियान चलाया। जहा मौजूद छात्रो में अनमय को बचाने के लिये पैसे देने का जबरदस्त जुनून देखने को मिला तथा बच्चे यह कहते हुए सुने गए कि मम्मी और पापा से कहकर अनमय की जान बचाने के लिए हम लोगो को ढेर सारा पैसा अनमय के खाते में भेजना है। उक्त कक्षाओं के छात्र छात्राये भी भारी संख्या में अब अनमय बचाओ पोस्टर लगे डोनेशन बॉक्स में बारी बारी से अनमय के इलाज के लिए पैसे दिए। अनमय बचाओ अभियान के आयोजक विकास तिवारी द्वारा कोचिंग संस्था के छात्रों से अपना एक दिन का अपव्यय रोककर अनमय को नवजीवन देने के लिए मदद करने की अपील की गयी। जहा उक्त अभियान से प्रभावित होकर वेव कोचिंग संस्था के छात्रों ने संकल्प लिया की अनमय की मदद के लिए हम सब सोसल मीडिया और जनमानस में जाकर अभियान चलायेंगे और अबोध शिशु अनमय की जिंदगी बचाने में अपना सर्वोत्तम सहयोग देंगे अभियान के आयोजक द्वय अतुल सिंह ने संस्थान के अधिष्ठाता अमित पांडेय जी का धन्यवाद ज्ञापित किया जिन्होंने स्वयं दूरभाष पर सम्पर्क करके अनमय बचाओ अभियान से जुड़े सदस्यों को अपने कोचिंग संस्थान के छात्र छत्राओं के बीच उपस्थित होकर अपील करने के लिए आमंत्रित किया। जहां अपील पर छात्र छात्राओं ने इस अभियान को और अधिक ताकत देने का संकल्प लिया। उक्त अवसर पर विकास तिवारी, अतुल सिंह, डॉ अब्बासी, स्नेहिल यादव, अभय राज, आदर्श, अवनीन्द्र, दिव्य प्रकाश इत्यादि उपस्थित रहे।

सवा किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के कुशल निर्देशन में थाना कासिमाबाद पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त को 1 किलो 200 ग्राम नाजायज गांजा के साथ गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त हुई। जानकारी के अनुसार आज मंगलवार को उप निरीक्षक जयदीप पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में जुर्म जरायम व अपराधियो की धर पकड़ हेतु अन्दर थाना क्षेत्र चक्रमण पर रहे तभी मुखबिर के जरिये खास सूचना मिली की एक व्यक्ति नाजायज गांजा लियें हुए रसूलपुर से आ

रहा है । इस सूचना पर विश्वास कर पुलिस टीम प्रस्थान कर रसूलपुर से 20 मीटर पहले पहुंचे, एक संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया चेकिंग करने पर व्यक्ति के पास से 1 किलो 200 ग्राम नाजायज गांजा बरामद हुआ अभियुक्त की नाम पता पूछा गया तो अपना नाम कृष्णा मद्धेशिया पुत्र काशी मद्धेशिया निवासी वार्ड न0 13 हनुमान मन्दिर बहादुरगंज थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर बताया अभियुक्त का यह कृत्य जुर्म धारा 8/20 एन0डी0पी0एस0 एक्ट अपराध से अवगत कराते हुए समय करीब सुबह सवा आठ बजे गिरफ्तार किया गया तथा थाना स्थानीय पर अभियुक्त के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक जयदीप थाना कासिमाबाद के साथ हेड कॉन्स्टेबल आफताब खान थाना कासिमाबाद, कांस्टेबल विकास गौतम थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

श्रृंगार गौरी ज्ञानवापी मुद्दे को लेकर पुलिस एलर्ट मोड में

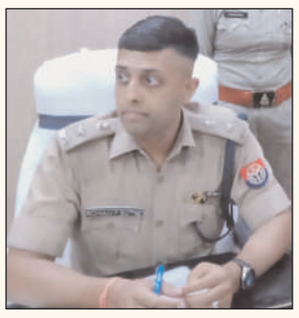

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। श्रृंगार गौरी ज्ञानवापी मस्जिद वाराणसी विवाद में माननीय न्यायालय द्वारा सम्भावित निर्णय के दृष्टिगत जनपद में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किया गया है,समस्त क्षेत्राधिकारी/प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष/चौकी प्रभारी द्वारा पर्याप्त पुलिस बल के साथ लगातार भ्रमणशील रहते हुए सर्व समुदाय के धर्मगुरुओं से वातार्लाप कर शांति व सद्भाव बनाए रखने की अपील की जा रही है। सोशल मीडिया सेल टीम द्वारा भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट व वीडियो बयान जारी करने, साजिश रचने व माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों पर लगातार पैनी नजर रखी जा रही है। ऐसे शरारती तत्वों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आमजन से अपील की जा रही है कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की जरूरत नहीं है इससे आपका ही नुकसान होगा। किसी भी सूचना पर तत्काल पुलिस प्रशासन को सूचना दें। पुलिस चुस्ती व मुस्तैदी से अपना काम करेगी पुलिस द्वारा हर कार्रवाई बिना किसी भेदभाव के अमल में लाई जाएगी। गाजीपुर पुलिस शांति व सद्भाव बनाए रखने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

चिकित्सा का ज्ञान नहीं फिर भी बन बैठे डॉक्टर

सीएमओ के नाक निचे खानपुर में चल रहा फर्जी डॉक्टर का कारोबार

अंकित मिश्र

प्रखर खानपुर गाजीपुर। स्वास्थ्य विभाग के बड़े अधिकारीयों के लापरवाही के कारण क्षेत्रवासियों की जिंदगी झोलाछाप डाक्टरों के हवाले हैं।जिले में स्थित सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर समुचित व्यवस्था ना हों पाने के कारण मरीज झोलाछाप डाक्टरों के जाने कों मजबूर हों जाते हैं।खानपुर क्षेत्र के गली मोहल्ले ऐसे ही दर्जनों फर्जी झोलाछाप डाक्टरों की दुकान संचालित हों रही हैं।सोचने की बात तो यह हैं की बिना किसी प्रैक्टिस के यह ईलाज करने और मोटी रकम ऐठने में जुट जाते हैं।जबकि इन क्लिनिको पर बैठने वाले डॉक्टर या तो इंटर पास होते हैं या तो अभी डी फार्मा के सेकंडियर के छात्र होते हैं और अपनी दुकान खोलकर धड़ल्ले से खोलकर चला रहें हैं।और लोगो के ईलाज में जुट जाते हैं। इनके पास आने पास आने वाले बुखार,पेट दर्द के आदि मरीजों की दवा ये खुद देते हैं और हालत गंभीर होने पर उन मरीजों कों कमीशन रख दूसरे हॉस्पिटल में रेफर करवा देते हैं।वही सूत्रों का कहना हैं इनका अधिकारीयों से सेटिंग होता हैं और उन्हीं के मेहरबानी से ये बेधड़क होकर अपना हॉस्पिटल संचालित करते हैं।जबकि इनके पास न तो डिग्री होतीं हैं और न ही अनुभव फिर भी ये ईलाज करने में खुद कों अव्वल मानते हैं।

स्कूल से घर जाते समय छात्रा पर शोहदों ने की अश्लील हरकत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के करखियाव स्थित एक निजी स्कूल से घर जाते समय छात्रा के ऊपर छीटाकशी करने वाले युवको के खिलाफ परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपितों को धर दबोचा। वही परिजनों ने पुलिस व मनबढ़ों द्वारा दबाव बनाकर तहरीर वापस लेने का आरोप लगाया। बताया जाता है कि सोमवार को करखियाव स्थित एक निजी स्कूल से घर लौट रही छात्रा के ऊपर रास्ते मे कुछ अश्लील हरकत की। विरोध करने पर छात्रा के पिता व भाई को जान से मारने की धमकी दी। जिसपर डरी सहमी छात्रा यह बात परिजनों से बताई। जिसपर परिजनों ने अज्ञात युवकों के खिलाफ तहरीर दी। जिसपर पुलिस ने स्कूल के कुछ छात्रो के बीच छात्रा से पहचान कराई। जिसपर छात्रा के द्वारा पहचान कर लिए जाने पर उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ में जुट गई। इस बाबत इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपित को लेकर अभी पुलिस पूछताछ कर रही है। वही दूसरी तरफ परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस आरोपितों के गिरफ्तारी के बाद भी सुलह का दबाव बना रही है।

अरविन्द अकेला कल्लू की फिल्म 'शादी बाय चांस' की शूटिंग हुई शुरू

प्रखर दानगंज वाराणसी। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के युवा स्टार अरविन्द अकेला कल्लू की नयी फिल्म 'शादी बाय चांस' की शूटिंग यूपी के लखनऊ में जोरो-शोरो से शुरू की जा चुकी है। चन्द्रवर्षा एंटरटेनमेंट प्रा ली एंड रामा प्रसाद प्रोडक्शन के बैनर तले निर्माण की जा रही इस फिल्म के निमार्ता रामा प्रसाद है वही निर्देशन कई हिट फिल्मे देने वाले संजय श्रीवास्तव कर रहे है। फिल्म के मुहूर्त के साथ फिल्म की भव्य शुरूआत की गई है। बेहतरीन कहानी और खूबसूरत लोकेशन के साथ फिल्म में बेहद ही खुशनुमा संगीत देखने और सुनने मिलेगा। अरविन्द अकेला कल्लू फिल्म में अपने एक नए किरदार को लेकर दर्शको के बीच कुछ नयापन लेकर आएँगे। वही फिल्म में उनका साथ देंगे भोजपुरी जगत के कई अन्य और जानी-मानी हस्तियां। अरविन्द अकेला कल्लू अपनी इस फिल्म को लेकर बताते है "शादी बाय चांस' मेरे दिल के बेहद करीब फिल्म है। इस फिल्म में दर्शको को मनोरंजन का पूरा पैकेज देखने को मिलेगा। फिल्म से जुड़े सभी कलाकार और टीम मेंबर के साथ काम करने का अनुभव बेहद ही अच्छा रहा है, उम्मीद करता हूँ की दर्शको को यह फिल्म काफी पसंद आएगी। "फिल्म की कहानी मशहूर लेखक मनोज पांडेय ने लिखी है साथ ही डीओपी समीर सैय्यद और प्रचारक संजय भूषण पटियाला है। फिल्म के कलाकारों की बात करते तो अरविन्द अकेला कल्लू के साथ फिल्म में अवधेश मिश्रा, आकांक्षा दुबे ,प्रियंका रेवड़ी,अनूप अरोड़ा, अनीता रावत,प्रकाश जैस,सोनिया मिश्रा,सुष्मिता मिश्रा, महेश आचार्य, भारती झा ,अनु पांडेय सहित और भी कलाकार नजर आएँगे। फिल्म में अरविन्द अकेला कल्लू और अवधेश मिश्रा की एक नयी केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। पहले की फिल्मो से इस फिल्म में दोनों की जोड़ी कुछ नया धमाका मचाएगी। साथ ही फिल्म की एक्ट्रेसेस भी अपने ग्लेमर का तड़का लगाएगी।यह जानकारी पीआरओ संजय भूषण पटियाला ने दी है।

पार्शियल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी

में बदला जाता है खराब हिस्सा

नई दिल्ली। (एसएनवी)। डॉक्टरों ने पिछले करीब 2 साल से चलने-फिरने में समस्या से जूझ रहे एक 82 वर्षीय बुजुर्ग पुरुष की सफलतापूर्वक पार्शियल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की। मिनिमल इन्वेज़न एप्रोच (2.5 इंच का चीरा) के ज़रिए यह सर्जरी की गई और रोगी के घुटने के बेकार हो चुके हिस्से को रिप्लेस किया गया। यह पूरी सर्जरी महज़ 40 मिनट में पूरी की गई। इस सर्जरी को अंजाम दिया फोर्टिस एस्कॉर्ट्स फरीदाबाद के डॉ. हरीश घूटा, एडिशनल डायरेक्टर ऑर्थोपीडिक्स व डॉ. अमित कुमार शर्मा, अटेंडिंग कंसल्टेंट के नेतृत्व वाली डाक्टरों की टीम ने।

पार्शियल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी नी जॉइंट के खराब हो चुके टिश्यू और हड्डियों को निकाल देती है। यह सर्जरी तभी की जाती है जब घुटने का एक हिस्सा ही आर्थराइटिस से प्रभावित हो और यह सर्जरी का पसंदीदा तरीका है क्योंकि इसमें घुटने के सिर्फ खराब हिस्से को ही मेटल व प्लास्टिक के तत्वों से बदला जाता है। इस सर्जरी का सबसे बड़ा फायदा है कि इसके बाद घुटने को काफी आसानी से मोड़ा जा सकता है। अधिकतर रोगी सर्जरी के बाद भी पैर पर पैर रखकर या स्क्वॉट या उकड़ू बैठा कर सकते है। चूंकि इस सर्जरी में 70% प्राकृतिक घुटना सुरक्षित रहता है तो लोगों को सीढ़ियां चढ़ते या उतरते समय सहजता महसूस होती है। इसमें रिकवरी में समय भी बहुत कम लगता है और करीब 2 सप्ताह में रोगी बिना किसी सहारे के चलना शुरू कर देता है।

सलमान मिले जैन मुनि आचार्य विजय हंसरत्नासुर से

मुंबई (आईएएनएस)। बालीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने जैन मुनि आचार्य विजय हंसरत्नासुर से उनके 180 दिनों वाले उपवास के दौरान मुलाकात की। हंसरत्नासुर जाने-माने जैन आचार्य हैं, कई सारे सितारे आचार्य से मिलते रहते हैं। सलमान खान भी पहले मिल चुके हैं, इस बार छठी बार सलमान उनसे मिलने पहुंचे। आचार्य विजय हंसरत्नासुर 180 दिनों का उपवास कर रहे हैं। जैसा कि उनके अनुयायियों द्वारा बताया गया, सलमान को जैन धर्म के विभिन्न पहलुओं और अनुष्ठनों को भी सीखने का मौका मिला। रिपोर्टों के अनुसार, आचार्य विजय हंसरत्नासुर ने रविवार से अपने 180 दिनों के निरंतर उपवास को समाप्त कर दिया, इस मैराथन उपवास को पूरा करने वाले एकमात्र जैन भिक्षु बन गए। उनके अनुयायियों ने कहा, एक साधु के रूप में अपने जीवन के पिछले दो दशकों में, आचार्य हंसरत्नासुर ने कुल 12 साल उपवास में बिताए। सलमान अगली बार 'टाइगर' फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त में दिखाई देंगे, जिसमें कैटरीना कैफ भी हैं। इसके अलावा सलमान 'किसी का भाई किसी की जान' में भी नजर आएंगे।

रणवीर सिंह दक्षिण भारतीय इंटरनेशनल अवाड्र्स से सम्मानित

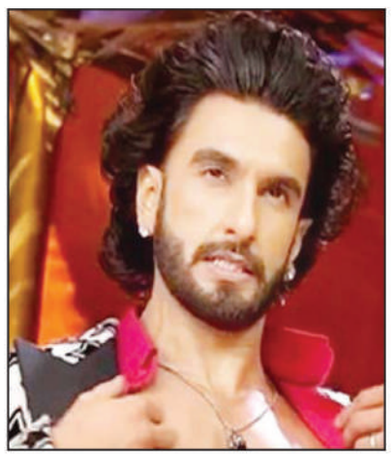

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को दक्षिण भारतीय इंटरनेशनल फिल्म अवाड्र्स 2022 में सम्मानित किया गया है। रणवीर सिंह को 10वें दक्षिण भारतीय इंटरनेशनल फिल्म अवाड्र्स समारोह में 'मोस्ट लव्ड हिंदी एक्टर इन साउथ इंडिया' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। रणवीर सिंह ने कहा , इस सम्मान को पाकर मैं खुश हूं। एक कलाकार के तौर पर, मैं अपनी आजीविका के लिए वह कर पाता हूं, जिसे प्यार करता हूं। हमारा देश विविधता से भरा हुआ है। यहां तरह तरह की सभ्यताएं हैं। हर राज्य कुछ विशेष है। आदी के 75 बाद यह कितना सुखद है कि हम अब भाषाओं की सीमा लांघकर एक दूसरे से घुल मिल रहे हैं और खुशी साझा कर रहे हैं। अच्छी कहानियां हर भाषा, हर सभ्यता का प्रचार प्रसार कर रही हैं। दक्षिण भारतीय फिल्मों ने अपनी मेहनत और क्राफ्ट से दुनियाभर को आकर्षित करने का काम किया है। यह बेहद शानदार है।

बड़े पैमाने पर तारे ग्रहों की करते हैं चोरी

शेफील्ड (यूके) (द कन्वरसेशन)। हमारे सूर्य का मिल्की वे आकाशगंगा में एक अकेला अस्तित्व है। यह अपने आप में, निकटतम तारे से चार प्रकाश वर्ष दूर है और इसकी अपनी ग्रह प्रणाली ही इसकी हमजोली है। लेकिन हमेशा से ऐसा नहीं था। हम विशिष्ट समूहों में युवा सितारों को देखते हैं, तथाकथित तारकीय नर्सरी, जहां वे तारकीय भाई-बहनों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलते हैं। ये तारकीय नर्सरी खूब भीड़भाड़ वाले स्थान हैं, जहां सैकड़ों-हजारों तारे अक्सर उसी स्थान पर निवास करते हैं जहां सूर्य रहता है। इनके बीच अकसर हिंसक टकराव भी होता है, जिसमें तारे ऊर्जा का आदान-प्रदान करते हैं, लेकिन यह लंबे समय तक नहीं चलता। कुछ लाख वर्षों के बाद, सितारों के समूह विलुप्त हो जाते हैं और आकाशगंगा को अधिक सितारों से भर देते हैं। रायल एस्ट्रोनामिकल सोसाइटी के मासिक नोटिस में प्रकाशित हमारा नया पेपर दिखाता है कि इस तरह की तारकीय नर्सरी में बड़े सितारे ग्रहों को एक-दूसरे से कैसे चुरा सकते हैं और ऐसी चोरी के संकेत क्या हैं।

ऐसे होता है तारों और ग्रहों का निर्माण

नवजात सितारों के जन्म के लगभग तुरंत बाद, उनके चारों ओर ग्रह प्रणाली बनने लगती है। हमारे पास 30 से अधिक वर्षों से इसके अप्रत्यक्ष प्रमाण हैं। नए सितारों से प्रकाश का अवलोकन अवरक्त विकिरण की अप्रत्याशित अधिकता को प्रदर्शित करता है। यह और अभी भी है छोटे धूल कणों (एक सेंटीमीटर का 100वां) से उत्पन्न होने के रूप में समझाया गया था, जो सामग्री की एक डिस्क में तारे की परिक्रमा कर रहा था। इन्हीं धूलकणों से ग्रह (अंततः) बनते हैं।

तारा और ग्रह निर्माण के क्षेत्र में 2014 के अंत में एक क्रांति हुई जब सितारों के चारों ओर ग्रह-निर्माण डिस्क की पहली छवियों को चिली के रेगिस्तान में अटाकामा लार्ज मिलिमीटर एरे (अल्मा) टेलीस्कोप से देखा गया। अल्मा की पहली और बाद की छवियां शानदार थी। कई डिस्क में विशेषताएं और संरचनाएं थी जिन्हें पूरी तरह से गठित, बृहस्पति जैसे ग्रहों की उपस्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

तारा निर्माण की शुरुआत के बाद ग्रह का निर्माण तेजी से होता है और निश्चित रूप से जब तारा अभी भी तारकीय नर्सरी में अपने भाई-बहनों के साथ खेल रहा होता है। चूंकि ग्रह बहुत जल्दी बनते हैं, वे घनी आबादी वाले तारे बनाने वाले वातावरण से प्रभावित होते हैं। ग्रहों की अपनी कक्षाएं बदल सकती हैं, जो कई तरह से प्रकट हो सकती हैं।

भटकते ग्रह

कभी-कभी, मेजबान तारे से ग्रह की दूरी या तो छोटी या बड़ी हो जाती है, लेकिन कक्षा के आकार में बार-बार परिवर्तन होता है। आमतौर पर कम गोलाकार होता है। कभी-कभी, एक ग्रह अपने मेजबान तारे के चारों ओर अपनी कक्षा से मुक्त हो जाता है और तारा बनाने वाले क्षेत्र में मुक्त विचरण करता है, जिसका अर्थ है कि यह गुरुत्वाकर्षण द्वारा किसी भी तारे से बंधा नहीं है।

मुक्त-गठन वाले ग्रहों का एक महत्वपूर्ण अंश गुरुत्वाकर्षण से एक अलग तारे से जुड़ जाता है, जो उन तारों से अलग होता है, जिसके चारों ओर वे बनते हैं। इतनी ही संख्या में ग्रह भी उनकी कक्षा से चोरी हो जाते हैं। इस महान ग्रह चोरी का अध्ययन करते हुए, हमने सीखा है कि सबसे अधिक आबादी वाले तारा-निर्माण क्षेत्रों में बनने वाले ग्रहों को आसानी से उन सितारों द्वारा पकड़ा या चुराया जा सकता है जो हमारे अपने सूर्य से बहुत अधिक भारी हैं।

द्रव्यमान की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ तारे बनते हैं। हमारा सूर्य इस मायने में थोड़ा असामान्य है कि यह ब्रह्मांड के औसत द्रव्यमान तारे से लगभग दोगुना भारी है। हालांकि, अपेक्षाकृत कम संख्या में तारे अभी भी भारी हैं, और ये सितारे उस प्रकाश पर हावी हैं जो हम मिल्की वे और अन्य आकाशगंगाओं में देखते हैं।

अर्जुन, भूमि लंदन रवाना

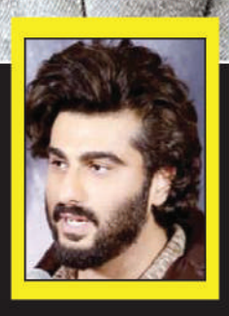

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेता अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर, जिन्होंने हाल ही में एक रोमांचक थ्रिलर 'द लेडीकिलर' की शूटिंग पूरी की है, ने एक और फिल्म साइन की है जिसमें दोनों साथ साथ हैं। इस नई फिल्म पर काम शुरू करने के लिए कलाकार लंदन के लिए रवाना हो गए हैं। बिना शीर्षक वाली रोमांटिक कामेडी में बेहद मजेदार और मनोरंजक दोनों भूमिकाएं हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट का निर्देशन मुदस्सर अजीज करेंगे। हालांकि इस परियोजना के बारे में कोई पुष्टि नहीं हुई है। अर्जुन और भूमि 12 सितंबर के बाद इस प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करेंगे और लगभग 30 दिनों तक लंदन और उसके आसपास शूटिंग करेंगे। फिल्म की शूटिंग मुंबई और शायद भारत के कुछ और शहरों में भी की जाएगी।

बिग बास 16 का टीजर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बास 16 का टीजर रिलीज हो गया है। एक बार फिर सलमान खान इस रियलिटी शो के होस्ट के रूप में नजर आएंगे। बिग बास 16 में कहा गया कि इन 15 सालों में सबने खेला आपना गेम। लेकिन बारी है बिग बास के खेलने की। कलर्स टीवी ने बिग बास सीजन 16 के रोमांचक पहले टीजर का अनावरण किया। कलर्स टीवी ने सोशल मीडिया पर शेयर किए गए टीजर के कैप्शन में लिखा है, इन 15 सालो में सबने अपना अपना गेम, लेकिन अब बारी है बिग बास के खेलने की। देखिए झबिग बास 16 जल्द ही, सिर्फ झकलर्स पर। टीजर की शुरुआत बिग बास के पिछले सीजन की झलकियों से होती है। टीजर की शुरुआत होती है एक भारी भरकम आवाज से, जो कहता है कि, 15 सालों से बिग बास ने सबका गेम देखा है, इस बार बिग बास अपना गेम दिखाएंगे। सुबह होगी पर आसमान में चांद दिखेगा। ग्रेविटी उड़ेगी हवा में और घोड़ा सीधी चाल चलेगा। परछाई भी छोड़ेगी साथ, खेलेगी अपना खेल। क्योंकि इस बार बिग बास खुद खेलेंगे।'इन डायलाग्स के साथ सलमान खान अपने फेवरेट कैजुअल लुक में नजर आ रहे हैं। बिग बास 16 में फैसल शेख, उर्फी जावेद, विवियन डीसेना, शिविन नारंग, मुनव्वर फारुकी के साथ-साथ पूनम पांडे भी नजरआ सकती हैं।

सनी ने पिता धर्मेन्द्र की तारीफ की

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेता सन्नी देओल ने अपने पिता धर्मेन्द्र की तारीफ करते हुए कहा कि उनके पापा धर्मेंद्र सिनेमा की सभी जानर में सफल होने वाले एकमात्र अभिनेता हैं। सन्नी देओल ने कहा कि वह इस बात के शुक्रगुजार हैं कि उन्हें घर पर ही अपना आइडल मिल गया है। उन्होंने कहा कि उनके पापा धर्मेंद्र सिनेमा की सभी जानर में सफल होने वाले एकमात्र अभिनेता हैं। सन्नी देओल ने कहा, मुझे अपना आइडल घर पर मिला है। धर्मेन्द्र सिनेमा के सभी जानर में सफल होने वाले एकमात्र अभिनेता हैं और वे कभी भी अलग-अलग रोल निभाने से पीछे नहीं हटे हैं। फिल्म 'सत्यकाम हो','चुपके चुपके','शोले','प्रतिज्ञा','फूल और पत्थर' या 'अनुपमा' उन्होंने सभी में काम किया है। काश मैं उनकी जनरेशन में एक एक्टिव एक्टर होता। सनी देओल ने बताया कि जिस समय धर्मेंद्र अपने करियर के चरम पर थे, उस समय फिल्में कैसे आज की फिल्मों से अलग थी। उन्होंने कहा, मेरे पापा एक दिन में कई फिल्मों की शूटिंग करते थे। उस समय एक्टर्स के पास कोई भी लिखित स्क्रिप्ट नहीं थी, ये सिर्फ नरेशन पर आधारित था। आज के समय में हमारे पास स्क्रिप्ट है। फिर भी हम काफी पीछे हैं। मैं हमेशा सोचता रहता हूं कि काश मैं उस दौर में होता।

करियर काफी प्रभावित हुआ : प्राची देसाई

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेत्री प्राची देसाई का कहना है कि नेपोटिज्म की वजह से उनका करियर काफी प्रभावित हुआ है। बालीवुड फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म का मुद्दा खूब चर्चाओं में रहा है। प्राची देसाई ने भी नेपोटिज्म को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। प्राची देसाई ने कहा है कि नेपोटिज्म की वजह से उनका करियर काफी प्रभावित हुआ है। प्राची देसाई ने कहा, मैं रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर और अभिषेक कपूर की आभारी हूं कि उन्होंने मुझे राक आन का आफर दिया। मैं तब बहुत छोटी थी और इंडस्ट्री में ज्यादा दोस्त भी नहीं थे। मुझे नहीं लगता कि उस समय किसी ने मुझे गंभीरता से लिया, क्योंकि उन्होंने सोचा होगा कि मैं सिर्फ एक फिल्म का चमत्कार था। शुक्र है, अपने डेब्यू के बाद, मैंने वन्स अपान ए टाइम इन मुंबई जैसी फिल्म की और बाद में बोल बच्चन में काम किया। मुझे हमेशा संघर्ष करना होगा, क्योंकि मैं एक स्टार किड्स नहीं हूं और इंडस्ट्री में स्टार किड्स के तरह बाहरी लोग फिट नहीं होते। मुझे लगता है कि मैं ईमानदार से कह सकती हूं कि ये इंडस्ट्री बाहरी लोगों के लिए बेहद मुश्किलों से भरी है।

शायद दोबारा न दिखूं स्टेज पर : ब्रिटनी

लास एंजिलिस (आईएएनएस)। गायिका ब्रिटनी स्पीयर्स ने दावा किया है कि वह शायद फिर से प्रदर्शन नहीं करेंगी। महिलाफर्स्ट.को.यूके की रिपोर्ट के अनुसार, टाक्सिक हिटमेकर ने अतीत में अपने लाइव शो में आक्रामक लोगों के साथ काम करने के सबसे खराब अनुभव के बारे में बताया और उसने सुझाव दिया कि वह फिर से मंच पर नहीं लौटेगी क्योंकि वह जिद्दी है और साबित करना चाहती है उसका प्वाइंट। कुछ समय पहले गायिका ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा कि अपने अपने सबसे खराब अनुभव को लेकर बात की। साथ ही अनुभव ने कहा कि दोबारा ऐसे प्रर्दशन करके बारें में जरा वक्त लेकर सोचेंगी। लकी गायक का आखिरी दौरा 2018 में द पीस आफ मी टूर था। कभी-कभी हिटमेकर ने पिछले साल स्वीकार किया था कि वह अपने जीवन में एक संक्रमण से गुजर रही थी और निश्चित नहीं है कि वह कभी मंच पर कब आएगी और अपने प्रशंसकों के लिए फिर से प्रदर्शन करेंगी।

मैं बच्चा पैदा करना चाहती हूं : मृणाल ठाकुर

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने इस बारे में खुलकर बात की है कि वह प्यार में कैसे आगे बढ़ना चाहती हैं, वह एक साथी में क्या चाहती हैं और कैसे उन्हें कभी-कभी लगता है कि वह एक बच्चा पैदा करना चाहती हैं। अपने 30 के दशक में डेटिंग के बारे में कुछ पुरानी धारणाओं को खारिज करते हुए, अभिनेत्री मृणाल और श्रिया पिलगांवकर बम्बल की सीरीज 'डेटिंग दिस नाइट्स' के दूसरे एपिसोड में 30 के दशक में डेटिंग कैसी दिखती है, इस बारे में खुलकर बात करते हुए दिखाई देंगी। एपिसोड में मृणाल अपने पार्टनर में जो चाहती हैं उसे शेयर करती हैं। मुझे लगता है कि मेरे साथी के लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि मैं कहां से आ रही हूं, मेरे दिमाग में क्या चल रहा है और हम किस पेशे में हैं। हमारे चारों ओर इतनी असुरक्षा है, इसलिए मुझे अभी एक ऐसा व्यक्ति चाहिए जो सुरक्षित हो इसे अपनाने के लिए पर्याप्त हैं। ऐसा बहुत कम होता है कि आप इस तरह के लोगों को पाते हैं। श्रिया ने इसे ऊर्जा जो समाप्त नहीं हो रही है के रूप में कहा है, जबकि मृणाल कहती हैं, मैं इस ऊर्जा को पिशाच बुलाती हूं। क्या आपको लगता है कि आपके जीवन में लोग आपको अपनी जैविक घड़ी की टिक टिक के बारे में जागरूक कर रहे हैं? श्रिया मृणाल से पूछती है, जिस पर वह जवाब देती है, कई बार मुझे लगता है कि मैं एक बच्चा पैदा करना चाहती हूं। उनकी मां उनका कितना साथ देती है इस बारे में बोलते हुए, मृणाल ने साझा किया उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से कहा कि भले ही मैं अपने अंडे फ्रीज करना चाहती हूं या सिंगल मदर बनना चाहती हूं, ठीक है और मैंने सोचा वाह मां, यह अद्भुत है।

कृति ने अगली फिल्म के लिए तैयारियां शुरू की

मुंबई (आईएएनएस)। बालीवुड अभिनेत्री कृति सैनन ने अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित एक एक्शन ड्रामा फिल्म की तैयारी शुरू कर दी है। निर्देशक कश्यप के मार्गदर्शन में कृति ने अपनी अगली फिल्म के लिए अभिनय कार्यशालाएं और संवाद और भाषा प्रशिक्षण पहले ही शुरू कर दिया है। करीबी सूत्रों के अनुसार, यह कश्यप द्वारा हिंदी सिनेमा में लिखी गई सबसे उग्र महिला पात्रों में से एक है। सूत्र ने कहा, यह एक अत्यंत भावनात्मक फिल्म है और कृति के चरित्र द्वारा प्रतिशोध की भावना को पर्दे पर पहले कभी नहीं देखा गया है। रीमेक की खबरों पर अनुराग ने कहा कि फिल्म की शूटिंग नवंबर में शुरू होगी। कृति अब 'भेदिया', 'गणपथ', 'आदिपुरुष' और 'शहजादा' में नजर आएंगी।

अर्थव्यवस्था को लगा झटका

खुदरा महंगाई में इजाफा औद्योगिक उत्पादन सुस्त

■ अगस्त में 7% पर पहुंची खुदरा मुद्रास्फीति

■ जुलाई में औद्योगिक उत्पादन में सिर्फ 2.4% की वृद्धि

नई दिल्ली (एजेंसियां)।

खाने का सामान महंगा होने से खुदरा महंगाई दर अगस्त महीने में बढ़कर सात प्रतिशत पर पहुंच गई। उधर जुलाई में औद्योगिक उत्पादन में भी सुस्ती आ गई और इसमें सिर्फ 2.4 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। इससे महंगाई को नियंत्रण में लाने के प्रयासों को झटका लगा है। सोमवार को जारी अर्थव्यवस्था के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति लगातार आठवें महीने रिजर्व के संतोषजनक स्तर की ऊपरी सीमा से ऊंची बनी हुई है। सरकार ने आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत से छह प्रतिशत के बीच रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर अगस्त में 7.62 प्रतिशत रही जो जुलाई में 6.69 प्रतिशत थी। वहीं पिछले साल अगस्त में यह 3.11 प्रतिशत थी।

■ जुलाई में खुदरा मुद्रास्फीति की दर 6.69 फीसद थी
■ पिछले साल के अगस्त माह में यह दर सिर्फ 3.11 थी
■ आलोच्य माह में उद्योग जगत ने भी किया मायूस
■ अगस्त 2021 में उद्योगों के उत्पादन की वृद्धि दर 11.5 फीसद थी
■ वर्ष 2022 में 3.2 फीसद बढ़ा है विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन

उधर देश के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) में जुलाई के दौरान सिर्फ 2.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। एक साल पहले जुलाई, 2021 के दौरान आईआईपी में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से सोमवार को जारी औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

आंकड़ों के अनुसार, जुलाई, 2022 में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 3.2 प्रतिशत बढ़ा। इसके अलावा खनन उत्पादन में जुलाई के दौरान 3.3 प्रतिशत की गिरावट, जबकि बिजली उत्पादन में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौरतलब है कि अप्रैल, 2020 में कोविड-19 महामारी के कारण औद्योगिक उत्पादन पर काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ा था और यह 57.3 प्रतिशत गिर गया था।

उपयोग के आधार पर स्वचालित वाहन टोल संग्रह का परीक्षण

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार टोल प्लाजा पर वाहनों की भीड़ कम करने और वाहन मालिकों से सुविधाजनक तरीके से शुल्क लेने के लिए एक स्वचालित नंबर प्लेट पहचान प्रणाली पर काम कर रही है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को 'इंडो-अमेरिकन चैंबर आफ कामर्स' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि इसके लिए सरकार एक पायलट परियोजना चला रही है, जिसके जरिए टोल राजमार्गों पर चलने वाले वाहनों से सटीक दूरी के आधार पर शुल्क लिया जाएगा। गडकरी ने कहा, 'सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय वाहनों को रोके बिना अपने-आप टोल संग्रह के लिए स्वचालित नंबर प्लेट पहचान प्रणाली की एक पायलट परियोजना पर काम चल रहा है।' उन्होंने कहा, 'इस तकनीक के साथ हम दो उद्देश्यों को हासिल करना चाहते हैं। टोल बूथ पर बेरोकटोक आवाजाही और उपयोग के अनुसार भुगतान।' टोल प्लाजा पर 2018-19 के दौरान वाहनों का औसत प्रतीक्षा समय आठ मिनट था।

फास्टैग की शुरुआत के साथ 2020-21 और 2021-22 के दौरान वाहनों के लिए औसत प्रतीक्षा समय घटकर 47 सेकंड हो गया है। हालांकि, शहरों के पास और घनी आबादी वाले इलाकों में व्यस्त समय के दौरान टोल प्लाजा पर अब भी कुछ देरी होती है।

ई हाइवे जल्द बनेगा हकीकत

■ इससे ट्रक और बसों जैसे भारी वाहनों को चार्जिंग की समस्या से मिलेगी मुक्ति

■ सौर ऊर्जा से संचालित होंगे ये राजमार्ग ■ सभी टोल प्लाजा सौर ऊर्जा से चलेंगे

■ देश में किया जा रहा 26 नए एक्सप्रेस वे का निर्माण

■ इससे लाजिस्टिक लागत में आ सकती है अच्छी कमी

■ पीएम गतिशक्ति योजना से जल्द मंजूर हो रहे प्रोजेक्ट

■ इससे सृजित हो रहे हैं रोजगार के नए-नए अवसर

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि सरकार सौर ऊर्जा के जरिए इलेक्ट्रिक राजमार्गों के विकास पर काम कर रही है और जल्द ही यह 'ई हाईवे' (इलेक्ट्रिक राजमार्ग) हकीकत बनेगा जिससे अधिक माल ढुलाई क्षमता वाले ट्रकों और बसों की चार्जिंग सुगम हो जाएगी।

उद्योग मंडल इंडो-अमेरिकन चैंबर आफ कामर्स (आईएसीसी) के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने यह बात दोहरायी कि सरकार देश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बिजली चालित बनाना चाहती है। उन्होंने कहा, 'सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सौर और पवन ऊर्जा आधारित चार्जिंग व्यवस्था के विकास को प्रोत्साहित कर रही है।' मंत्री ने कहा, 'हम इलेक्ट्रिक राजमार्ग के विकास पर भी काम कर रहे है। यह सौर ऊर्जा के जरिए संचालित होंगे। इससे भारी माल ढुलाई क्षमता वाले वाले ट्रकों और बसों को यात्रा के दौरान काफी सुविधा होगी।

गडकरी ने कहा कि सड़क मंत्रालय टोल प्लाजा को सौर ऊर्जा से चलाने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक अच्छी तरह से विकसित बुनियादी ढांचा आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाता है, नई कंपनियां सृजित करता है और रोजगार के अवसर बढ़ाता है। हम 26 नए एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रहे हैं।' गडकरी ने कहा कि पीएम गति शक्ति मास्टर प्लान की शुरुआत के साथ परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी मिलेगी और इससे 'लॉजिस्टिक' लागत में कमी आएगी।

उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका दोनों स्वाभाविक भागीदार है। उन्होंने अमेरिका के निजी निवेशकों को भारत के 'लॉजिस्टिक, रोपवे और केबल कार' क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

निवेश

■ दिल्ली से जयपुर के बीच प्रस्तावित है पहला इलेक्ट्रिक हाईवे
■ इस हाईवे पर इलेक्ट्रिक इंजन की तरह चलेंगे बसें और ट्रक
■ इस प्रोजेक्ट के लिए एक विदेशी कंपनी से बातचीत
■ जल्द ही इस मामले में अंतिम फैसला ले सकती है सरकार

क्या है इलेक्ट्रिक हाईवे

एक इलेक्ट्रिक राजमार्ग से आशय ऐसी सड़क से है जो उस पर यात्रा करने वाले वाहनों को बिजली की आपूर्ति करती है। इसमें 'ओवरहेड' बिजली की लाइन के जरिए ठीक उसी तरह ऊर्जा की आपूर्ति मिलती है जिस तरह इलेक्ट्रिक इंजन को मिलती है।

हाईवे पर लगाए जाएंगे तीन करोड़ पेड़

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि करीब तीन करोड़ पेड़ राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास लगाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार राजमार्गों के निर्माण और विस्तार के दौरान पेड़ लगाने के चलन को अपना रही है।

■ सरकार पेड़ काटने और लगाने से जुड़ी एक नई नीति के तहत बना रही है 'पेड़ बैंक'

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब तक हमने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में 27,000 पेड़ एक जगह से दूसरी जगह सफलतापूर्वक लगाए हैं।

गडकरी ने कहा कि सरकार पेड़ काटने और लगाने के लिए 'पेड़ बैंक' नाम से नई नीति बना रही है।

संक्षिप्त खबरें

एनसीएमएस के नए एमडी

नई दिल्ली। भारत में निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी पोस्ट हार्वेस्ट कृषि प्रबंधन कंपनी नेशनल कमोडिटीज मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड (एनसीएमएस) इंडिया के निदेशक मंडल ने हाल में हुई बैठक में एनसीएमएल के प्रेसिडेंट संजय गुप्ता को कंपनी का एमडी एवं सीईओ नियुक्त कर दिया। सिराज चौधरी अब एनसीएमएल के गैर कार्यकारी निदेशक बन गए हैं। गुप्ता ने कहा, 'मैं बोर्ड के फैसले से सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

एनटीपीसी ने लाभांश दिया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने अपने शेयरधारकों को वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 2,908.99 करोड़ रुपए के अंतिम लाभांश का भुगतान किया है। एनटीपीसी ने बयान में कहा कि यह लाभांश कंपनी की 30 प्रतिशत चुकता इक्विटी शेयर पूंजी के बराबर है। इसके साथ ही पिछले वित्त वर्ष के लिए भुगतान किया गया कुल लाभांश 6,787.67 करोड़ रुपए हो गया। यह पिछले वित्त वर्ष के शुद्ध लाभ का 42 प्रतिशत है।

सर्वश्रेष्ठ बिजनेस स्कूल

बेंगलुरु। भारतीय प्रबंध संस्थान-बेंगलुरु को (आईआईएम-बी) को फाइनेंशियल टाइम्स (एफटी) प्रबंधन में स्नातकोत्तर (एमआईएम) रैंकिंग, 2022 में भारत का सर्वश्रेष्ठ बिजनेस स्कूल घोषित किया गया है। संस्थान ने सोमवार को यह जानकारी दी। संस्थान ने बयान में कहा कि इस साल उसकी वैश्विक स्थिति में भी सुधार देखा गया है। आईआईएम-बी इस साल वैश्विक स्तर पर 31वें स्थान पर है। यह पिछले साल 47वें स्थान पर था।

'वर्टस' का निर्यात शुरू

मुंबई। वाहन विनिर्माता स्कोडा आटो फॉक्सवैगन ने अपनी मध्यम आकार की सेडान 'वर्टस' का भारत से निर्यात शुरू कर दिया है। वाहन कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी और बताया कि इसी के साथ उसने भारत से निर्यात किए जाने वाले अपने वाहनों के पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। कंपनी के अनुसार, निर्यात के पहले चरण में भारत से मैक्सिको के लिए 3,000 से अधिक वाहन भेजे जा रहे हैं। कंपनी ने वर्ष 2011 में भारत से निर्यात शुरू किया था।

आईआईटी मद्रास पुरस्कृत

नई दिल्ली। शिव नाडर इंस्टीट्यूट आफ एमिनेंस के स्कूल आफ मैनेजमेंट एवं एंट्रप्रेन्योरशिप द्वारा आयोजित राष्ट्रीय व्यवसायिक क्विज, बिजनेस केस एवं साईमुलेशन प्रतियोगिता 'इनक्यूब' के दूसरे संस्करण में आईआईटी मद्रास को सर्वोच्च पुरस्कार मिला है। भारत के अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों को खोजने, चुनौती देने, संगठित करने और पुरस्कृत करने के लिए आयोजित प्रतियोगिता में 50 से ज्यादा शहरों से 3000 से ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया।

सेंसेक्स फिर हुआ 60000 के पार

■ 322 अंक की तेजी से 60115 पर ■ तीन सत्रों में 1086 अंक चढ़ा सेंसेक्स

मुंबई (भाषा)।

शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी दर्ज की गई और बीएसई सेंसेक्स करीब 322 अंक चढ़कर 60,000 अंक के पार बंद हुआ। वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख और बैंक, सूचना प्रौद्योगिकी तथा ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 321.99 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ तीन सप्ताह के उच्चस्तर 60,115.13 अंक पर बंद हुआ। शुरु आती कारोबार में मजबूती के साथ खुलने के बाद सेंसेक्स ऊंचे में 60,284.55 अंक तक गया और नीचे में 59,912.29 अंक तक आया। इसी तरह नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 103 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 17,936.35 अंक पर बंद हुआ।

पिछले तीन कारोबारी सत्रों के दौरान सेंसेक्स में 1,086 अंक और निफ्टी में 312 अंक का उछाल आया है। विदेशी निवेशकों की लिवाली, कच्चे तेल के 93 डालर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करने और वृहद आर्थिक आंकडों से भी निवेशकों की धारणा को समर्थन मिला। सेंसेक्स पिछले तीन सत्रों में कुल 1086 अंक तक चढ़ चुका है। इससे पहले सेंसेक्स में कई सत्रों में गिरावट रही थी।

एयर इंडिया के बेड़े में 30 और विमान शामिल होंगे

नई दिल्ली (भाषा)।

एयर इंडिया ने सोमवार को कहा कि वह इस साल दिसम्बर से अपने बेड़े में 30 नए विमानों को शामिल करेगी, जिसमें चौड़ी बाडी वाले पांच बोइंग विमान शामिल है।

टाटा के स्वामित्व वाली एयरलाइन अपनी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सेवाओं को बढ़ाना चाहती है, जिसके तहत यह विस्तार किया जा रहा है। एयरलाइन ने अगले 15 महीनों में चौड़ी बाडी वाले पांच बोइंग विमान और पतली बाडी वाले 25 एयरबस विमानों को शामिल करने के लिए पट्टों और आशय पत्रों पर हस्ताक्षर किए है।

कंपनी ने कहा, 'नए विमानों से बेड़े में 25 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होगी। ये विमान 2022 के अंत से परिचालन शुरू करेंगे। हाल के महीनों में परिचालन में वापस आने वाले संकरी बाडी वाले 10 विमानों और चौड़ी बाडी वाले छह विमानों को छोड़ दें तो ये नए विमान एयर इंडिया के अधिग्रहण के बाद पहले बड़े विस्तार का प्रतीक है।'

PLI योजना में नए उद्योग शामिल करने की तैयारी

नई दिल्ली (भाषा)।

उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के दायरे को कुछ इलेक्ट्रानिक घटकों, फार्मा और चिकित्सा उपकरणों जैसे क्षेत्रों तक बढ़ाने के प्रस्ताव पर सरकार में चर्चा चल रही है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी।

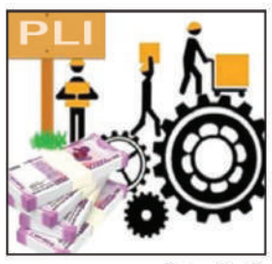

इसके अलावा खिलौने, फर्नीचर, साइकिल और कंटेनर उद्योग को पीएलआई योजना में शामिल करने पर भी चर्चा चल रही है। इस योजना का मकसद घरेलू विनिर्माण को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना, निर्यात को बढ़ावा देना और रोजगार के मौके बढ़ाना है। सरकार ने पिछले साल आटोमोबाइल और आटो कलपुर्जे, व्हाइट गुड्स, कपड़ा, उन्नत रसायन सेल (एसीसी) और विशेष इस्पात सहित 14 क्षेत्रों के लिए लगभग दो लाख करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ इस योजना को शुरू किया था। अधिकारी ने कहा, 'योजना बनाई जा रही है। कुछ प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है।'

आयात में कटौती और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने की सरकार की मंशा के बीच कुछ इलेक्ट्रानिक घटकों, खिलौने, फर्नीचर, साइकिल और कंटेनर जैसे क्षेत्रों को पीएलआई में शामिल करने की मांग की गई है।

अमेजन ने नए विक्रेताओं के लिए बिक्री शुल्क 50% कम किया

नई दिल्ली (भाषा)। ई-कामर्स कंपनी अमेजन इंडिया ने आगामी त्योहारी सीजन के ठीक पहले अपने मंच से जुड़ने वाले नए विक्रेताओं के लिए बिक्री शुल्क में 50 प्रतिशत तक की कटौती कर दी है। अमेजन इंडिया ने सोमवार को जारी एक बयान में यह जानकारी देते हुए कहा कि इस त्योहारी सीजन में नए विक्रेताओं को बिक्री शुल्क में रियायत देने का फैसला किया गया है। बयान के अनुसार, 28 अगस्त से 26 अक्टूबर के बीच अमेजन के मंच पर पंजीकरण कराने वाले नए विक्रेताओं के लिए बिक्री शुल्क में 50 प्रतिशत तक की कटौती की गई है।

हालांकि इस छूट का लाभ वही विक्रेता उठा सकते है जो पंजीकरण के 90 दिनों के भीतर अपना कारोबार शुरू कर देंगे। कंपनी ने इस सुविधा के दायरे में सभी खंडों के विक्रेताओं को शामिल किया है। आनलाइन विक्रेता मंच के तौर पर काम करने वाले अमेजन डाट इन पर अपने उत्पादों की बिक्री करने के लिए सभी विक्रेताओं के लिए शुल्क देना जरूरी है। इसकी गणना कुल बिक्री मूल्य के प्रतिशत के आधार पर की जाती है। इसके साथ ही अमेजन ने कहा कि इस त्योहारी मौसम में ज्यादा बिक्री करने के अवसर का लाभ उठाने का उसके सभी विक्रेता इंतजार कर रहे है। सरकार ने 40 लाख रुपये से कम कारोबार वाली इकाइयों को ई-कामर्स मंचों पर बिक्री के लिए जीएसटी पंजीकरण से भी छूट दिया हुआ है। अमेजन इंडिया के निदेशक विवेक सोमरेड्डी ने कहा, 'देश भर से 10 लाख से अधिक विक्रेता हमारे साथ जुड़े हुए है। उन्हें इस त्योहारी सीजन में देश भर के उपभोक्ताओं को अपने उत्पाद दर्शाने का मौका मिलेगा।'

राष्ट्रीय धातु विज्ञानी पुरस्कार योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली (वार्ता)।

इस्पात मंत्रालय ने राष्ट्रीय धातु विज्ञानी पुरस्कार 2022 के लिए सोमवार से आवेदन लेने शुरू कर दिए हैं जिसमें अंतिम तिथि 11 अक्टूबर 2022 है। इसमें एनएमए पोर्टल के माध्यम से केवल आनलाइन आवेदन लिए जाएंगे।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इन पुरस्कारों का उद्देश्य लौह और इस्पात सेक्टर में कार्यरत धातु विज्ञानियों के शानदार योगदान का मान-सम्मान करना है, जिसमें निर्माण, अनुसंधान, डिजाइन, शिक्षा, अपशिष्ट प्रबंधन और ऊर्जा संरक्षण की गतिविधियों के क्षेत्र तथा आत्मनिर्भर भारत के ध्येय को प्राप्त करने के लिए धातु विज्ञानियों के योगदान को सम्मिलित किया गया है।

उड्डयन क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक युवाओं को प्रशिक्षित करेगी जीएमआर

■ इसके लिए जीएमआर एयरपोर्ट्स ने एपटेक एविएशन अकादमी से किया करार

नई दिल्ली (एसएनबी)।

जीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर की अनुषंगी कंपनी जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड की शिक्षण एवं प्रशिक्षण के काम से जुड़ी सहयोगी इकाई एविएशन अकादमी ने उड्डयन क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं को इस क्षेत्र में दक्ष बनाने के लिए एपटेक एविएशन अकादमी के साथ एक करार किया है।

यह जानकारी देते हुए जीएमआर सर्विसेज कारोबार के सीईओ अश्वनी लोहानी ने कहा कि इस करार के तहत युवाओं को बेहतरीन तरीके के हवाईअड्डा प्रबंधन एवं यात्री सेवा के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण लेने के बाद युवाओं को उड्डयन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। प्रशिक्षण के बाद युवाओं को हवाईअड्डे के ग्राउंड स्टाफ, टिकटिंग, पैसेंजर सर्विस, हवाईअड्डा सुरक्षा, केबिन क्रू, कार्गो एजेंट, कार्गो अटेंडेंट एवं भारत नियंत्रक अधिकारी के रूप में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि जीएमआर एविएशन अकादमी भारत में अपनी तरह का एक ऐसा संस्थान है जिसे आईसीएओ के रीजनल ट्रेनिंग सेन्टर आफ एक्सीलेंस और एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल की तरफ से ग्लोबल ट्रेनिंग हब के रूप में सम्मानित भी किया जा चुका है। इसके अलावा से आईएटीए की तरफ से अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र और मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण स्कूल के रूप में भी मान्यता मिली है।

इस मौके पर एपटेक एविएशन अकादमी के हेड कलोल मुखर्जी ने कहा कि इस करार से हम उत्साहित हैं क्योंकि इस क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं। इस करार से उड्डयन के क्षेत्र में काम करने के इच्छुक युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर प्राप्त होंगे।

अब कश्मीर के अखरोट पर भी पड़ा ग्लोबल वार्मिंग का साया

■ अचानक गर्मी और सर्दी पड़ने से अखरोट की फसल हुई खराब

■ उत्पादकों को जम्मू कश्मीर में नहीं मिल रहे फसल के अच्छे दाम

■ जम्मू मंडी में 80 से 180 रुपए में आढ़तिये खरीद रहे हैं अखरोट

■ खुले बाजार में कई गुना ज्यादा होती हैं अखरोट की कीमतें

■ बीते साल एक पेड़ से हुई थी कम से कम 10 बोरे अखरोट की पैदावार

■ इस साल एक पेड़ से सिर्फ चार बोरे अखरोट की हो रही है पैदावार

श्रीनगर (वार्ता)।

कश्मीर के उत्पादकों ने दावा किया कि घाटी में अखरोट का उत्पादन इस साल जलवायु परिवर्तन के कारण काफी कम हो गया है। साथ ही उत्पादकों ने सरकार से इस संकट से उबारने की गुहार लगाई है।

कानून के छात्र चौधरी दानिश ने बताया कि उनके पूर्वज ब्रंवार गांव में अखरोट का कारोबार करते थे। इस साल सूखे मेवों की कटाई एक पखवाड़े पहले शुरू हुई थी और कभी गर्म मौसम और कभी बारिश के कारण उत्पादन कम हो गया है। उन्होंने बताया कि बडगाम जिले की चदूरा तहसील में स्थित ब्रंवार हर साल कश्मीर घाटी में सबसे अच्छी गुणवत्ता और उच्च मात्रा में अखरोट के उत्पादन के लिए जाना जाता है। इस साल प्रतिकूल मौसम की स्थिति ने उत्पादन को काफी हद तक प्रभावित किया। दानिश ने शिकायत की कि कश्मीर घाटी में ड्राई फ्रूट मंडी की उपलब्धता नहीं होने के कारण उत्पादकों को बाजार में अखरोट के अच्छे दाम नहीं मिल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उत्पादक अखरोट को बक्सों में पैक करके जम्मू मंडी भेजते है जहां एक किलोग्राम सिर्फ 200 रुपए में बेचा जाता है और खरीदार उसी उत्पाद को 600-700 रुपए में निर्यात करते है।

दानिश ने बताया, 'पिछले साल अन्य राज्यों के कुछ निर्यातकों ने ब्रंवार का दौरा किया और बगीचों में अखरोट खरीदे जिससे हमें अच्छी कीमत मिली। लेकिन जम्मू मंडी में बिक्री केवल खरीदारों के लिए लाभदायक है।'

उन्होंने सरकार से कश्मीर घाटी में फल मंडी स्थापित करने का आग्रह किया, जिससे अखरोट और बादाम उत्पादकों को उनके उत्पादन का सर्वोत्तम मूल्य मिल सके। दानिश ने कहा, 'अगर हमारे यहां कश्मीर घाटी में सूखे मेवे मंडी हो तो डीलर सीधे आकर खरीद सकते है और अन्य फल उत्पादकों की तरह अच्छी कीमत प्राप्त कर सकते है।'

उन्होंने कहा कि उत्पादक अखरोट को सीधे बाहरी लोगों को नहीं बेच सकते हैं जिसके लिए उन्हें निर्यात लाइसेंस की आवश्यकता होती है। एक अन्य उत्पादक फैयाज अहमद ने बताया कि बेमौसम के कारण उत्पादन में कमी आई है। उन्होंने कहा, पिछले साल एक पेड़ से 10 बोरी अखरोट का उत्पादन हुआ, लेकिन इस साल चार बोरी से ज्यादा उत्पादन नहीं हुआ।

अहमद ने कहा, 'हम अखरोट को पांच किलो और 10 किलो के बक्सों में पैक कर रहे है और उन्हें बिक्री के लिए जम्मू मंडी भेज रहे है, जहां हमें केवल 80 से 180 रुपए प्रति किलो मिल सकता है, जो बहुत कम है और अखरोट की कटाई के लिए एक विशेषज्ञ अखरोट कलेक्टर प्रतिदिन 1,500 रुपए का शुल्क लेता है।'

फैयाज ने कहा कि कश्मीर घाटी का अखरोट सबसे बेहतर होता है, इसलिए घाटी के अखरोटों की मांग ज्यादा रहती है, लेकिन यहां पिछले दो वर्षों से अखरोट की मांग में कमी देखी गई है और इसका कारण यह है कि जब तक हमारे पास सूखे मेवों की बिक्री के लिए मंडी नहीं होगी तब तक इन्हें बाजार में उचित कीमत नहीं मिल सकती है।' उन्होंने घाटी में एक मंडी स्थापित करने की अपील की।

टी-20 विश्व कप 2022 के लिए भारतीय टीम घोषित

जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल की टीम में वापसी

मुंबई। बीसीसीआई ने अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप 2022 के लिये सोमवार को टीम की घोषणा की जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल को शामिल किया गया है।

बुमराह पीठ की चोट और हर्षल साइड स्ट्रेन के कारण एशिया कप 2022 में हिस्सा नहीं ले सके थे, लेकिन पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद दोनों गेंदबाजों को टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह दी गई है। हाल ही में हुई सफल सर्जरी के बाद रिहैब से गुजर रहे रवींद्र जडेजा की जगह अक्षर पटेल ने स्क्वाड में शामिल किया गया। चयनकर्ताओं ने ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक दोनों को बतौर विकेटकीपर टीम में शामिल किया है। मोहम्मद शमी, श्रेयस अय्यर, रवि बिश्नोई और दीपक चाहर को अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में चुना गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह नहीं बना सके। चयनकर्ता समिति ने विश्व कप के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर में होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए भी टीम की घोषणा की है। हार्दिक पांड्या और अर्शदीप को ऑस्ट्रेलियाई सीरीज से आराम दिया गया है, जबकि भुवनेश्वर कुमार को दक्षिण अफ्रीका सीरीज से बाहर रखा गया है। टीम में चयन के बाद दिनेश कार्तिक ने ट्वीट कर कहा, सपने पूरे होते हैं।

भारतीय टीम ने 2007 में जीता था विश्व कप

टी-20 विश्व की शुरुआत 2007 में हुई। भारतीय टीम ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2007 में टी-20 विश्व का खिताब जीता था। उसके बाद 6 बार इस टूर्नामेंट का आयोजन हुआ है और हम एक बार भी चैम्पियन नहीं बन पाए हैं। भारतीय टीम 2009, 2010, 2012 और 2021 में राउंड-2, और 2016 में सेमीफाइनल तक पहुंचा वहीं 2014 में उप-विजेता रहा। भारतीय टीम 15 वर्षों से यह खिताब नहीं जीत सका हैं।

आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह।

अतिरिक्त खिलाड़ी : मोहम्मद शमी, श्रेयस अय्यर, रवि बिश्नोई, दीपक चाहर।

ऑस्ट्रेलिया टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेट-कीपर), दिनेश कार्तिक (विकेट-कीपर), हार्दिक पांड्या, आर.अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह।

दक्षिण अफ्रीका टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेट-कीपर), दिनेश कार्तिक (विकेट-कीपर), आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह।

अल्काराज बने यूएस ओपन चैंपियन

करियर का पहला ग्रैंड स्लैम जीता, एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे

न्यूयॉर्क। स्पेन के युवा सनसनी टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने ऐतिहासिक फाइनल मैच में नॉर्वे के कैस्पर रूड को हराकर यूएस ओपन खिताब जीता और एटीपी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया।

उन्नीस वर्षीय अल्काराज ने रविवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में तीन घंटे 20 मिनट चले फाइनल के चौथे सेट में बाजुओं को खोलकर आक्रामक प्रहार किये और दबाव को सोखते हुए 6-4, 2-6, 7-6(1), 6-3 से अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद भावुक हुए अल्काराज दर्शकों की तालियों के शोर के बीच कोर्ट पर गिर गए। इसके बाद उन्होंने अपनी टीम और कोच हुआन कार्लोस फरेरो को गले मिलकर बधाई दी। अल्काराज ने अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल तक पहुंचने के लिए पिछले तीन मुकाबले पांच सेटों में जीते और कोर्ट पर 20 घंटे 19 मिनट का समय बिताया। तीसरा सेट जीतने के दौरान अल्काराज ने कुछ अप्रत्याशित गलतियां की थीं, लेकिन चौथा सेट शुरू होते ही उन्होंने अपनी बाजुओं को खोला और मूल खेल दिखाते हुए मुकाबला जीत लिया। तीसरे सेट में नेट पर शानदार खेल दिखाने वाले अल्काराज ने चौथे सेट में संयम के साथ सर्व किया और बेमिसाल ग्राउंडस्ट्रोक लगाकर रूड को इस कोने से उस कोने तक दौड़ाते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। नडाल के हाथों जून में फ्रेंच ओपन फाइनल हारने के बाद अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल खेल रहे रूड शीर्ष रैंकिंग पर पहुंचने वाले नॉर्वे के पहले खिलाड़ी बनना चाहते थे, लेकिन अल्काराज ने उनके सपनों पर पानी फेर दिया।

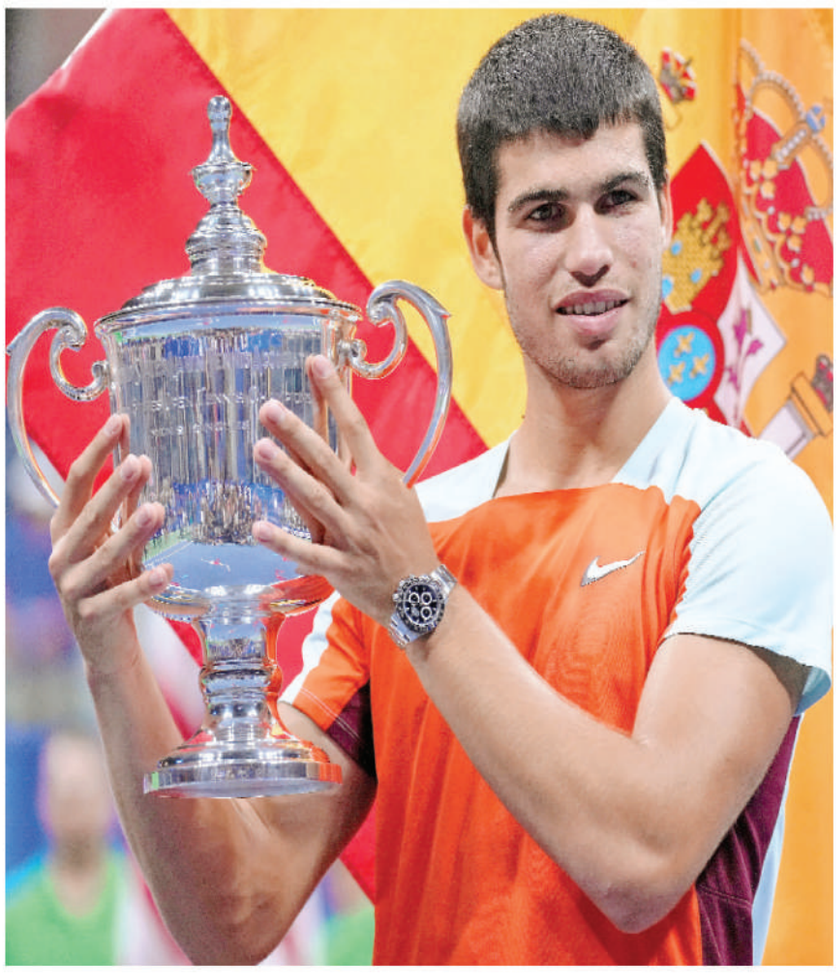

सबसे कम उम्र के नंबर वन खिलाड़ी

अल्काराज 1973 से शुरू हुई एटीपी रैंकिंग में पहले सबसे कम उम्र के नंबर एक खिलाड़ी बन गए हैं। अभी यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के ल्यूटन हेविट के नाम दर्ज था। हेविट 20 वर्ष 8 माह 23 दिन की उम्र में 19 नवंबर 2001 को सबसे कम उम्र के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी बने थे। स्पेन के युवा टेनिस स्टार कार्लोस अल्कारेज और नॉर्वे के कास्पर रूड यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे थे। इस खिताबी मुकाबले को जो भी जीतता वह अपनी पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी जीतने के साथ ही नंबर एक ताज भी हासिल करता। और इसमें अल्कारेज ने बाजी मार ली।

पीट संप्रास के बाद यूएस ओपन जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी

रोलां गैरो 2005 में 19 वर्षीय राफेल नडाल के बाद उनके हमवतन अल्काराज ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी हैं। अल्काराज 19 वर्षीय पीट संप्रास (1990) के बाद यूएस ओपन जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं। पीट संप्रास ने 19 वर्ष की उम्र में 1990 में यूएस ओपन का खिताब जीता था। अल्काराज शीर्ष रैंकिंग पर पहुंचने वाले स्पेन के चौथे खिलाड़ी हैं, जबकि उनके कोच फरेरो, कार्लोस मोया और नडाल इससे पहले नंबर एक रह चुके हैं। रूड हालांकि फ्लशिंग मीडोज में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद एटीपी रैंकिंग में दूसरे पायदान पर पहुंच गये हैं। रूड ने कहा, चीजें बहुत अच्छी चल रही हैं। आज की शाम विशेष थी। कार्लोस और मैं दोनों जानते थे कि हम किसके लिए खेल रहे थे और क्या दांव पर था। हम कल दुनिया में नंबर दो और नंबर एक होंगे, मुझे लगता है कि यह सही है।

इंग्लैंड ने 2-1 से जीती टेस्ट सीरीज

तीसरे टेस्ट में द. अफ्रीका को नौ विकेट से हराया

लंदन । इंग्लैंड ने ओली रॉबिन्सन और स्टुअर्ट ब्रॉड के सात-सात विकेटों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को तीसरे टेस्ट में सोमवार को नौ विकेट से मात देकर सीरीज 2-1 से अपने नाम की।

दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 40 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में 169 रन बनाकर इंग्लैंड को 130 रन का मामूली लक्ष्य दिया था, जिसे बेन स्टोक्स की टीम ने 22.3 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इंग्लैंड की जीत चौथे दिन ही सुनिश्चित हो गयी थी जब उसने स्टंप्स तक बिना किसी नुकसान के 97 रन बना लिए थे। पांचवें दिन सलामी बल्लेबाज एलेक्स लीस (39) कागिसो रबाडा की गेंद पर पगबाधा हो गए, जिसके बाद जैक क्रॉली (69 नाबाद) और ओली पोप (11 नाबाद) ने इंग्लैंड को लक्ष्य तक पहुंचाया। पहले दिन का खेल बारिश और दूसरे दिन का खेल महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के कारण रद्द होने के बाद यह टेस्ट आधिकारिक रूप से तीन दिनों में निर्णय तक पहुंचा। इंग्लैंड के लिए रॉबिन्सन और ब्रॉड ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दोनों पारियों में कुल सात-सात विकेट लिये। दक्षिण अफ्रीका की ओर से मार्को जैनसेन ने पहली पारी में पांच विकेट लिये लेकिन दूसरी पारी में उनकी विकेट की पंक्ति खाली रही।

बांग्लादेश को हराकर सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा भारत

कोलंबो। भारतीय युवाओं ने सोमवार को करीबी सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 2-1 से हराकर दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (सैफ) अंडर-17 चैंपियनशिप 2022 के फाइनल में जगह बनायी। थांगलालसोन गंगटे (51वें और, 59वें मिनट में) ने दूसरे हाफ में भारत के दोनों गोल जमाये, जबकि बंगलादेश का एकलौता गोल मिराजुल इस्लाम (61वें मिनट में) ने किया। दोनों टीमों ने पहले हाफ में एक-दूसरे को टक्कर देते हुए कई मौके बनाये, जो अंत में बेकार गए। गंगटे ने 51वें मिनट में मैच का पहला गोल करके भारत को 1-0 की बढ़त दिलायी। सात मिनट बाद उन्होंने एक और गोल जमाकर भारत की बढ़त को दोगुना किया। मिराजुल इस्लाम ने बांग्लादेश को मैच में वापस लाने के प्रयास में 61वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया।

द. अफ्रीका लीजेंड्स ने न्यूजीलैंड को 9 विकेट से हराया

कानपुर। जोहान बोथा की घातक गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका लीजेंड्स ने रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के चौथे मुकाबले में न्यूजीलैंड लीजेंड्स को को 9 विकेट से हरा दिया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर सिर्फ 99 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका के ऐंड्रयू पुटिक ने 14वें ओवर में एक चौका और दो छक्के मारकर मारकर टीम को जीत दिलाई। पुटिक ने नाबाद 51 रन व अलविरो पीटरन ने नाबाद 29 रन की पारी खेली। टीम ने यह जीत महज एक विकेट खोकर हासिल कर ली। मोर्ने वान विक 22 गेंदों में 14 रन बनाकर कैच आउट हुए थे। इससे पहले न्यूजीलैंड ने पावर प्ले में 3 विकेट खोकर सिर्फ 26 रन ही बना पाए। रॉस टेलर भी 11 गेंदों पर 4 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद से न्यूजीलैंड की टीम संभल नहीं पाई। एक के बाद एक विकेट गिरते चले गए।

महिला बिग बैश लीग से हट सकती हैं मंधाना

डर्बी। भारतीय उप-कप्तान स्मृति मंधाना अपने वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए महिला बिग बैश लीग से हटने पर विचार कर रही हैं, ताकि वह नेशनल टीम की ओर से खेलने के लिए फिट रह सकें। मंधाना फरवरी के बाद से ही लगातार खेल रही हैं, जब भारत ने वनडे वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज खेली थी। पिछले महीने कॉमनवेल्थ गेम्स के बाद से मंधाना द हंड्रेड के लिए ब्रिटेन में रूक गई थीं और अब वह मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज का हिस्सा हैं. मंधाना ने दूसरे टी20 से पहले वर्चुअल मीडिया बातचीत में कहा कि मुझे लगता है कि यह मानसिक से ज्यादा शारीरिक प्रबंधन के बारे में है।

मप्र के तेज गेंदबाज ईश्वर पांडे ने लिया संन्यास

आईपीएल विजेता चेन्नई का हिस्सा रहे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा रहे मध्य प्रदेश तेज गेंदबाज ईश्वर पांडे ने अंतरराष्ट्रीय और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी।

मध्य प्रदेश के इस तेज गेंदबाज ने इंस्टाग्राम पर संन्यास लेने की जानकारी दी। वह आईपीएल में खिताब जीतने वाली चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे चुके हैं। हालांकि वह पिछले तीन सीजन से आईपीएल में नहीं खेल रहे हैं। 33 साल के पांडे ने हालांकि भारत के लिए एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है, लेकिन वह अंतरराष्ट्रीय दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा थे, जब भारतीय टीम ने 2014 न्यूजीलैंड का दौरा किया था। लेकिन पूरे दौरे पर उन्हें एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला था। वह मध्य प्रदेश के रीवा जिले से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर रह चुके हैं। ईश्वर ने घरेलू क्रिकेट में 75 प्रथम श्रेणी, 58 लिस्ट ए और 71 टी-20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने क्रमशः 263, 63 और 68 विकेट चटकाए हैं। ईश्वर

चंद पांडे ने इंस्टाग्राम पर संन्यास का ऐलान करते हुए लिखा, वह दिन आ गया और भारी मन से मैंने अंतरराष्ट्रीय और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला कर लिया। मैंने 2007 में इस शानदार यात्रा की शुरुआत की थी और तब से लेकर अब तक मैदान के अंदर और बाहर मैंने हर पल का आनंद लिया है। मुझे इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शामिल किया गया, यह मेरे लिए गर्व की बात थी। लेकिन इस बात का दुःख भी है कि मुझे देश के लिए और खेलने का मौका नहीं मिल सका।

जेसविन एल्ड्रिन ने जीती गोल्डन फ्लाई सीरीज

नई दिल्ली। भारत के लंबी कूद एथलीट जेसविन एल्ड्रिन ने गोल्डन फ्लाई सीरीज लिख्टेंश्टाइन एथलेटिक्स मीट में 8.12 मीटर की छलांग लगाकर विजय हासिल की।

एल्ड्रिन रविवार को आयोजित प्रतियोगिता में आठ मीटर से अधिक की छलांग लगाने वाले एकमात्र एथलीट थे। अप्रैल के बाद से यह उनका पहला प्रदर्शन है जब उन्होंने 8 मीटर का आंकड़ा पार किया। चेक गणराज्य के राडेक जुस्का ने 7.70 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ छलांग दर्ज करके दूसरे स्थान हासिल किया, जबकि नॉर्वे के हेनरिक फ्लैटनेस 7.66 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। भारत के दूसरे खिलाड़ी प्रवीण चित्रावेल चार खिलाड़ियों की प्रतियोगिता में 7.58 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ अंतिम स्थान पर रहे। 20 वर्षीय एल्ड्रिन ने अप्रैल में 8.37 मीटर की छलांग के साथ न सिर्फ राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक मुरली श्रीशंकर को मात देते हुए फेडरेशन कप अपने नाम किया था, बल्कि विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वॉलीफाई भी कर लिया था। इसके बाद हालांकि उनके प्रदर्शन में गिरावट आने के कारण उन्हें विश्व स्क्वॉड से बाहर कर दिया गया था। एल्ड्रिन को जुलाई में दो चयन ट्रायल से गुजरना पड़ा जहां वह आठ मीटर के निशान तक तो नहीं पहुंच सके, लेकिन 7.99 मीटर और 7.93 मीटर की छलांगों की बदौलत विश्व चैंपियनशिप में पहुंच गये।

ला लिगा लीग : रियाल मैड्रिड ने दर्ज की लगातार पांचवीं जीत

मालोर्का को 4-1 से हराया

मैड्रिड। करीम बेंजेमा की गैरमौजूदगी में विनिसियस जूनियर और रोड्रिगो के गोल की मदद से रीयाल मैड्रिड ने मालोर्का को 4-1 हराकर ला लिगा लीग के मौजूदा सत्र में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की।

मालोर्का के लिए वेदत मुरिकी ने 35वें मिनट गोल दागकर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मैड्रिड की टीम के लिए विनिसियस (72वें मिनट) और रोड्रिगो (89वें मिनट) ने दूसरे हाफ में गोल दागे। टीम के लिए दो अन्य गोल फेडेरिको वालवेर्डे (45 प्लस तीन मिनट) और एंटोनियो रुडिगर (90 प्लस तीन मिनट) ने किए। अंकतालिका में सभी पांच मैच जीतकर रियाल मैड्रिड शीर्ष पर मौजदू है। पांच मैचों में चार जीत और एक हार के साथ क्रमशः बार्सीलोना और रियाल बेटिस की टीम दूसरे और तीसरे पायदान पर हैं।

जुवेंट्स और सालेर्निटाना ने खेला ड्रॉ: जुवेंट्स 2-0 से पिछड़ने के बाद सेरी ए मैच में चार लाल कार्डों के साथ सालेर्निटाना के खिलाफ 2-2 से बराबरी करने में सफल रहा। 18वें मिनट में सालेर्निटाना ने गोल की शुरुआत की, जब पासक्वेल माजोकची की सहायता ने एंटोनियो कैंड्रेवा को गोल करने का मौका दिया। जुवेंट्स के दुसान व्लाहोविक ने 39वें मिनट में गेंद को नेट में लगाया, लेकिन सर्बियाई को इस गोल से वंचित कर दिया गया। सालेर्निटाना ने ब्रेक से पहले अपनी बढ़त बढ़ा दी क्योंकि पोल ने शानदार गोल

दाग कर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद, जुवेंट्स के स्ट्राइकरों ने एक के बाद एक गोल कर मैच को 2-2 के बराबरी पर खत्म कर दिया, हालांकि उनके खिलाड़ियों को इस दौरान चार रेड कार्ड मिले। इसके अलावा, उडिनीस ने ससुओलो को 3-1 से हराया। वहीं, बोलोग्ना ने फियोरेंटीना को 2-1 से मात देकर आगे बढ़े और अटलंता ने 1-1 से ड्रॉ में क्रेमोनीज के साथ अंक को साझा किया।

जादुई सौन्दर्य का खजाना लाहौल-स्पीति

लाहौल और स्पीति हिमाचल प्रदेश के सुदूर इलाकों में से एक है। इन्हीं इलाकों के नाम पर जिले का नाम लाहौल स्पीति रखा गया है। यह हिमाचल प्रदेश के भारत-तिब्बत सीमा पर स्थित है। लाहौल और स्पीति दो जिले थे, जिन्हें 1960 में एकीकृत कर दिया गया था। अब यह हिमाचल प्रदेश का एक जिला है। लाहौल और स्पीति अपनी ऊंची पर्वतमाला के कारण शेष दुनिया से एक तरह से कटा हुआ है। रोहतांग दर्रा 3978 मीटर की ऊंचाई पर लाहौल और स्पीति को कुल्लू घाटी से अलग करता है। जिले की पूर्वी सीमा तिब्बत से मिलती है। चारों तरफ झीलों, दर्रा और हिमखंडों से घिरी आसमान छूते शैल-शिखरों के दामन में बसी लाहौल-स्पीति घाटियां अपने जादुई सौन्दर्य और प्रकृति की विविधताओं के लिए मशहूर है। प्रकृति ने तो इसे लाजवाब सौंदर्य प्रदान किया है। मैदानी और पहाड़ी रास्तों पर दूर-दूर तक जहां भी नजर डालें, बर्फ ही बर्फ दिखाई देती है। सर्दियों के मौसम में तो बर्फ के अलावा और कुछ दिखता ही नहीं। इसीलिए स्कीइंग और आइस स्केटिंग के लिए लाहौल का अपना महत्व है। यद्यपि लाहौल स्पीति एक जिला है, लेकिन भौगोलिक दृष्टि से ये दोनों अलग-अलग जगहें हैं। स्पीति ठंडा रेगिस्तान है, जहां बारिश नाम मात्र की होती है और लाहौल घाटी विशाल चट्टानी पर्वतों के मध्य बसी है। इसका मुख्यालय केलांग है। यहां के सैरसपाटे के लिए जाने वालों को रोमांचकता से भरपूर प्रकृति से रूबरू होने का अवसर मिलता है

किन्नौर : हिमाचल प्रदेश का सीमावर्ती जिला किन्नौर आज भी किन्नर देश के नाम से जाना जाता है। शिमला से काजा यानी स्पीति जाते समय सभी सैलानी किन्नौर जरूर घूमते हैं। सतलज के आरपार फैली किन्नौर की सुंदर और रोमांचक घाटियों को देखने का अद्भुत आन्नद मिलता है। सांगला घाटी किन्नौर का मुख्य आकर्षण है। यहां पूरे सालभर बर्फ से ढकी चोटियां, विभिन्न प्रकार के मनमोहक खुशबू बिखेरते फूल, सेब, बादाम, अंगूर के बाग और बौद्ध मंदिर में नृत्य महोत्सव यहां आने वाले सैलानियों का स्वागत करते नजर आते हैं।

काजा : हिमाचल प्रदेश के दुर्गम और कठिन इलाकों में शुमार काजा का नाम प्रमुख है। समुद्र तल से 3660 मीटर की ऊंचाई पर स्पीति नदी के बाईं तरफ काजा बसा है। यह लाहौल स्पीति जिले का उपमुख्यालय भी है। यह स्थान सैलानियों को इतना मस्त कर देता है कि वे यहां स्वर्ग सा महसूस करते हैं। काजा से 12 किलोमीटर दूर ''की' नामक बौद्ध विहार है।

किब्बर : काजा के आसपास आकर्षणों में विश्व प्रसिद्ध किब्बर गांव है, जो दुनिया का ऐसा सबसे ऊंचा गांव कहलाता है, जहां सड़क और बिजली पहुंच चुकी है। जबकि वर्ष के अधिकांश महीनों में यहां बर्फ पड़ती है। इतनी ऊंचाई पर भी कुछ लोग बस गये हैं जिसे गेते कहा जाता है। किब्बर विश्व भर के पर्वतारोहियों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। यहां से हिमालय के विभिन्न स्थानों पर पैदल मार्ग से जाते हैं। ये मार्ग प्रायः नक्शों या अनुमान से तलाश लिए जाते हैं।

कुंजम दर्रा : काजा से घूमने के बाद सैलानी स्पीति के सीमांत की ओर बढ़ते हैं। जहां कुंजम दर्रा से मुलाकात होती है, जो विश्व प्रसिद्ध रोहतांग दर्रा से काफी ऊंचा है। यहां से पर्यटक छोटा शिगड़ी ओर बड़ा शिगड़ी ग्लेशियरों को देख सकते हैं। कुजंम दर्रा पार करने के लिए 4551 मीटर की ऊंचाई को पार करना पड़ता है। इसके पार करने पर निचले भूभाग में लाहौल का विस्तार है। जो स्पीति जैसा चट्टानी और रेतीला कम, हराभरा और उपजाऊ ज्यादा है।

चंद्रताल झील : कुंजम दर्रा पर आने से पहले घोड़े द्वारा या पैदल चलकर बाटल नामक स्थान से दाहिनी ओर मुड़कर चंद्रताल झील के तिलस्मी लगने वाले संसार में पहुंचा जा सकता है। वास्तव में चंद्रताल झील स्तब्ध और मुग्ध कर देने वाली झील है जिसमें से चंद्र नदी निकलती है। यही नदी आगे सूरजताल झील से निकली भागा नदी से मिलकर चंद्रभागा कहलाती है। यही चंद्रभागा लाहौल से निकलते ही चिनाब बन जाती है।

बारालाचा दर्रा : यह दर्रा केलांग से 75 किलोमीटर आगे 4890 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। बारालाचा दर्रा से जंस्कर, लद्दाख, स्पीति और लाहौल के चार मार्ग जुड़ते हैं। यह दर्रा प्रचीन व्यापारियों, हमलावरों और सैलानियों का मुख्य केंद्र रहा।

सूरजताल : बरालाचा दर्रा की शुरुआत पर ही सूरजताल को रास्ता जाता है। चंद्रताल या सूरजताल जाने के इच्छुक लोगों को काजा या केलांग अथवा शिमला या मनाली के पर्यटन केंद्र से पूरी जानकारी ली जा सकती है, क्योंकि कुछ पर्यटन स्थल पर्यटकों के लिए प्रतिबंधित हैं।

केलांग : कुल्लू मनाली से रोहतांग-पास के रास्ते लाहौल जाने वालों के लिए केलांग जाना पहचाना नाम है। केलांग से ही लेह के लिए बस मार्ग है। काजा और केलांग के रास्तें में खेकसर, सिस्तु, गांधला आदि स्थान दर्शनीय हैं। भागा के तट पर बसा केलांग लाहौल स्पीति का मुख्यालय और प्रमुख बाजार है। केलांग अपने खुले भूभाग और सुंदरता के कारण पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहां अनेक बौद्ध मंदिर और प्राचीन मठ हैं।

ताबो मठ : प्रसिद्ध ताबो मठ लगभग एक हजार साल पहले बना था। यह बौद्ध विहार अनेक प्रतिमाओं, चित्रों, दुर्लभ पांडुलिपियों और प्रचीन वाद्ययंत्रों का संग्रहालय है। जिसमें बौद्ध लामा व भिक्षुओं का समाज रहता था, जो लोगों को ध्यान, ज्ञान की दीक्षा देता था। ताबो में 9 मंदिर, 23 स्तूप देखने लायक हैं।

पिन घाटी : हिमालय की बेहद खूबसूरत घाटी है पिन। ट्रैकिंग के लिए यहां काफी लोग आते हैं। यहां के जंगलों में बर्फीले इलाकों का तेंदुआ और आइबैक्स पाए जाते हैं। ये दोनों जानवर अब विलुप्ति के कगार पर हैं।

पर्यटन का खजाना मध्यप्रदेश

पर्यटन में अलग ही पहचान रखता हैं मांडू

भारत के हृदय स्थल मध्यप्रदेश में पर्यटन के ऐसे बहुत से स्थल है जहां देश विदेश के असंख्य सैलानी इन्हें देखने आते हैं। धार्मिक महत्व के अलावा पुरातात्विक महत्व के इन स्थलों में कान्हा किसली, महेष्वर खजुराहो, भोजपुर, ओंकारेश्वर, सांची, पचमढ़ी, भीमबेटका, चित्रकूट, मैहर, भोपाल, बांधवगढ़, उज्जैन, आदि उल्लेखनीय स्थल हैं।

कान्हा किसुली

940 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विकसित कान्हा टाइगर रिजर्व राष्ट्रीय उद्यान हैं। इसे देखने के लिए किराये पर जीप, टाइगर ट्रेकिग के लिए हाथी पर सवार होकर उद्यान को देख सकते हैं। कान्हा में वन्यप्रणियों की 22 प्रजातियों के अलावा 200 पक्षियों की प्रजातिया है। यहां बामनी दादर एक सनसेट प्वाइंट है। यहां से सांभर और हिरण जैसे वन्यप्रणियों को आसानी से देख जा सकता है। लोमड़ी और चिंकारा जैसे वन्यप्राणी कम ही देखने को मिलते हैं। कान्हा जबलपुर, बिलासपुर और बालाघाट से सड़क माग से पहुंचा जा सकता है। नजदीकी विमातल जबलपुर में हैं।

महेश्वर

रामायण और महाभारत में महेश्वर को महिष्मती के नाम से संबोधित किया गया है। देवी अहिल्याबाई होल्कर के समय में बनाए गए सुंदर घाटों का प्रतिबिम्ब नदी में दिखाई देता है। महेश्वर किले के अंदर रानी अहिल्याबाई की राजगद्दी पर बैठी एक प्रतिमा रखी गई हैं। महेश्वर घाट के आसपास कालेश्वर, राजराजेश्वर, विट्ठलेश्वर और अहिलेश्वर के सुन्दर मंदिर हैं। इंदौर विमानतल से 91 किलोमीटर पर महेश्वर स्थित हैं।

भीमबेटका

भोपाल से 46 किमी की दूरी पर स्थित है भीमबेटका जहां हजारों साल पुरानी गुफाएं हैं। इस पर्यटन स्थल की विशेषता चट्टानों पर हजारों वर्ष पूर्व बनी चित्रकारी एवं करीब 500 गुफाएं हैं। यहां प्राकृतिक लाल और सफेद रंगों से वन्यप्राणियों के शिकार दृष्यों के अलावा घोड़े, हाथी, बाघ आदि चित्र उकेरे गए हैं। इसके अलावा आदिपुरुष एवं जीवों के विभिन्न रूपों में अनेक प्रकार के प्राचीन चित्र होने के साथ ही आदिमानव द्वारा निर्मित भीत्ती चित्रों की दुर्लभ श्रृंखला देखते ही बनती है। यहा पिकनिक के लिए उपयुक्त स्थान है। यहां पुरातत्व का अथाह खजाना भरा पड़ा हैं। सैलानी यहां सदैव आते-जाते रहते हैं। भोपाल से नजदीकी के कारण भीमबेटका में रुकने के साधन नहीं हैं। जहां सड़क मार्ग द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता हैं।

मांडू

मध्यप्रदेश में यों तो पर्यटन स्थलों का अथाह भंडार है किन्तु उनमें भी मांडू अपनी विशिष्टता के लिए अपना अलग ही स्थान रखता है। कहने वाले इसे खंडहरों के गांव के नाम से भी संबोधित करते हैं परंतु इन खंडहरों के बोलते पत्थर हमें इतिहास के कथा बयां करते है जिसमें रानी रूपमती और बादशाह बाज बहादुर के अमर प्रेम और मांडू के षासकों की विष्शल समृद्ध विरासत व शानो-शोकत के साथ ही हरियाली से आच्छादित पर्यटको का स्वागत करते जहां के प्राचीन दरवाजे। धुमावदार रास्तों के साथ ही सीताफलों से लबालब भरे पेड़, कमलगटे, इमली के विषाल वृक्ष बरबस ही पर्यटको को अपनी ओर आकर्षित करे बिना नहीं रहते।

विंध्याचल की पहाड़ियों पर लगभग दो हजार फीट की ऊचाई पर स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ के नाम से भी जाना जाता है हिंडोला महल, रानी रूपमती का महल, जहाज महल, जामा मस्जिद, अशरफी महल, जैन धर्म का 1472 ई. की पार्श्वनाथ की श्वेत पद्मासन प्रतिमा देखने योग्य है। नीलकंठ महल की दीवारों पर अकबरकालीन कला की नक्काशी भी देखने योग्य हैं। अन्य स्थलों में हाथी महल, दरियाखान की मजार, दाई का महल, दाई की छोटी बहन का महल, मलिक मघत की मस्जिद और जाली महल भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

यहां मई ओर जून में गर्मी अधिक पड़ने के कारण जाना उचित नहीं हैं। जुलाई से मार्च तक यहां सैलानियों का जमघट लगा रहता है। यहीं एक रेवा कुंड का निर्माण बादशाह बाजबहादुर ने अपनी प्रेमिका रानी रूपमती के महल में पानी की प्र्याप्त व्यवस्था के स्त्रोत के रूप में करवाया था।

मांडू में 12 प्रवेश द्वारा 45 किलोमीटर की परिधी में निर्मित हैं। जिनमें 'दिल्ली दरवाजा प्रमुख हैं। शैल और चट्टानों से सराबोर मांडू के बारे में यह जानना आवष्यक है कि मालवा के राजपूत परमार षासक भी बाहरी आक्रमण से अपनी रक्षा के लिए मांडू को ही सबसे सुरक्षित जगह मानते थे।

मांडू में देवादिदेव नीलकंठ शिवजी का मंदिर है जिसमें जाने के लिए अंदर सीढ़ी उतरना पड़ता है। इस मंदिर के सौन्दर्य और पेड़ों से घिरे तालाब से एक धार नीचे शिवजी का अभिषेक करती हुई प्रतीत होती है।

धार से लगभग 33 और इंदौर से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित मांडवगढ़ (मांडू) पहुंचने के लिए इंदौर व रतलाम निकट के रेल्वे स्टेशन है। बसों से भी मांडू जाया जा सकता है।

वास्तुकला का अनुपम संगम भोजपुर

मध्यप्रदेश की गंगोजमुनी तहजीव से परिपूर्ण राजधानी भोपाल से 32 किलोमीटर दूर 11 वीं सदी के परमारवंशीय राजा भोज प्रथम (ईस्वी 1010-1035) द्वारा बेतवा नदी के किनारे बना उच्च कोटि की वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण है भोजपुर, जिसे भोजेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस पर्यटन स्थल पर स्थापित मंदिर की विशालता का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि इसका चबूतरा 35 मीटर लंबा, 25 मीटर चैड़ा और 4 मीटर ऊंचा है। भारी भरकम पत्थरों से बना यह चबूतरा अपने आप में अद्वितीय है। हजारों टनों की वजनदार अनेक पत्थरों को इस चबूतरे पर चढ़ाकर मंदिर के गर्भगृह का निर्माण किया गया है। मान्यता है कि यहां स्थापित शिवलिंग देश का सबसे ऊंचा शिवलिंग है 26 फीट ऊंचाई के गढ़े हुए गौरी पट्ट पर स्थित शिवलिंग की ऊंचाई साढ़े सात फीट तथा उसकी परिधि 18 फीट है। शिव भक्त ने उक्त मंदिर का निर्माण अपने पिता की स्मृति में करवाया था जिसका डिजाइन 'स्वर्गारोहणप्रसाद कहलाता है। मंदिर से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर जैन मंदिर है। जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएं है। 20 फीट ऊंची भगवान महावीर स्थापित है। यहां वर्ष भर श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का आना जाना लगा रहता है। लेकिन महाशिवरात्रि, सावन मास एवं अन्य त्यौहारों पर यहां लगने वाले मैलों में दूरदराज के गांवों से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या देखते ही बनती है। यहां पहुंचने के लिए आवगमन के अनेक साधन उपलब्ध है। यहां देश के किसी भी कोने से हवाई या रेलमार्ग द्वारा भोपाल पहुंच सकते हैं। भोपाल से होषंगाबाद रोड, या मंडीदीप की बस में बैठकर भोजपुर उतरें। एवं वहां से मंदिर पैदल चलें। मंदिर की 5 किलोमीटर परिधि में ठहरने का कोई स्थान नहीं हैं अतः भोपाल ही ठहरने के लिए उपयुक्त स्थान है।

कवि साहित्यकार डॉ. विजयानन्द बने म०प्र० हिंदी सभा के सलाहकार

प्रखर जखनिया गाजीपुर। अखिल भारतीय स्तर पर हिंदी प्रचार प्रसार का कार्य करने वाली संस्था प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा, जबलपुर, मध्य प्रदेश ने जखनियां, गाजीपुर के मूलनिवासी तथा प्रयागराज में रहकर साहित्य सर्जन

प्रेरणा हिन्दी प्रचारिणी सभा जबलपुर ने किया चुनाव

करने वाले कवि,साहित्यकार डॉ० विजयानन्द को अपना सलाहकार नियुक्त किया है।

कवि संगम त्रिपाठी संस्थापक प्रेरणा हिंदी प्रचार सभा ने दिनांक 12.09.2022 को जारी विज्ञप्ति में बताया कि डॉ० विजयानन्द जी विभिन्न संस्थाओं में सचिव, महामंत्री, निदेशक- रिसर्च फाउंडेशन, सं.इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय,नई दिल्ली, का० अध्यक्ष- अखिल भारतीय साहित्य परिषद, प्रयागराज,पूर्व अध्यक्ष -काशी प्रांत,वर्तमान राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, अखिल भारतीय हिन्दी महासभा, विश्व हिंदी महासभा, नई दिल्ली जैसे पदों पर कार्य कर चुके हैं तथा हिन्दी साहित्य की लगभग सभी विधाओं यथा- कविता,कहानी ,नाटक, उपन्यास, लघुकथा, आत्मकथा, आलोचना,

समीक्षा,पत्र, संस्मरण, साक्षात्कार, बाल साहित्य, संपादन आदि में ५४ मौलिक तथा अनुदित, संपादित कुल ८१ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। ' वैश्विक साहित्य ' त्रैमासिक का लगभग १० वर्षों तक लगातार संपादन किया है। अमेरिका के राम काव्य पीयूष, कृष्ण काव्य पीयूष सहित अनेक देशों के संग्रहों में रचनाएं प्रकाशित हैं। उनकी कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकों में संबोधन (काव्य संग्रह), शिवा-शौर्य (खंडकाव्य), समरभूमि, श्रीकृष्ण चरित (महाकाव्य), अंधेरे के खिलाफ, हरिओम तथा अन्य कहानियां (कहानी संग्रह) , अकिंचन, धर्मचक्र (एकांकी संग्रह), दानवीर कर्ण,वनवासिनी सीता (नाटक), पितामह भीष्म, उबलता लहू , नेह निर्झर,लाजो (उपन्यास), समय की सलीब पर- दो भाग(आत्मकथा), साहित्यकारों से साक्षात्कार, आलोचना का द्वंद्व और समीक्षा (आलोचना),प्यारा भारत, नन्हें मुन्ने गीत, देश हमारा,स्वतंत्रता के अमर शहीद, अपना गांव (बाल साहित्य) आदि हैं। भारत के कई विश्वविद्यालयों में उनके साहित्य पर एम०फिल, पीएचडी का शोध कार्य हो चुका/ चल रहा है।वे अमेरिकन रिसर्च इंस्टीट्यूट के दो बार सलाहकार रहे। भारत सरकार,उत्तर प्रदेश सरकार सहित, देश विदेश की अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत, यथा-अयोध्या सिंह उपाध्याय ' हरिऔध ' पुरस्कार (मऊ,आजमगढ़), शकुंतला सिरोठिया बाल साहित्य पुरस्कार (इलाहाबाद), सूचना प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार का सम्मान,मोहन राकेश नाटक पुरस्कार ,बाल साहित्य सम्मान (उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ) ,भारतेंदु हरिश्चंद्र सम्मान (हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज), हिंदी अकादमी,मुंबई का शिक्षारत्न सम्मान, अखिल भारतीय साहित्य परिषद, अखिल भारतीय हिंदी महासभा, विश्व हिंदी महासभा, नईदिल्ली, राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान, विधान सभा, लखनऊ का पराग पुरस्कार आदि सहित देश-विदेश की अनेक संस्थाओं द्वारा कई दर्जन सम्मान एवं पुरस्कार उन्हें मिला है। सन 2001 में अमेरिकन बायोग्राफिकल इंस्टीट्यूट ने इन्हें अपने रिसर्च बोर्ड का सलाहकार बनाया था।जिस पद पर रहकर इन्होंने कई बरसों तक सराहनीय कार्य किया। प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी चर्चित कवि गुरुदीन वर्मा आजाद जी ने कहा कि डॉ०विजयानन्द जी के सलाहकार मंडल में शामिल होने पर हिंदी सभा को नई ऊर्जा मिलेगी।

गोरखपुर में रहस्यमय बुखार के मरीज बढ़े, कई स्कूलों में कक्षाएं हुई सस्पेंड

प्रखर गोरखपुर। महानगर में रहस्यमय वायरल बुखार के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सोमवार को जिला अस्पताल से लेकर मेडिकल कालेज की ओपीडी में बड़ी संख्या में बुखार के मरीज इलाज कराने पहुंचे। मरीजों में सर्वाधिक संख्या बच्चों और किशोरों की है। सोमवार को जिला अस्पताल के बालरोग और मेडिसिन की ओपीडी में मरीजों की लंबी कतार लगी रही। इस बुखार से पीड़ित कुछ रोगियों के मुंह में छाले और शरीर पर लाल चकत्ते हो जा रहे हैं।

कई स्कूलों में एहतियातन कक्षाएं सस्पेंड;- गोरखनाथ, सिविल लाइंस, तारामंडल और खोराबार क्षेत्र के कई स्कूलों के छात्रों के बीमारी की चपेट में आने के बाद स्कूलों ने एहतियात बरतने शुरू कर दिए हैं। स्कूलों की प्राथमिक कक्षाओं के संचालन पर प्रबंधन ने रोक लगानी शुरू कर दी है। सोमवार को कुछ स्कूलों में पांचवीं तक की कक्षाओं के संचलन को एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया गया।

डॉक्टर करा रहे कोविड जांच;- महानगर में फैले रहस्यमय बुखार की पहचान डॉक्टरों के लिए सिरदर्द बन गई है। मर्ज की पहचान के लिए डॉक्टरों ने मरीजों की कोविड जांच कराने की भी शुरूआत कर दी है। जबकि इन मरीजों में कोविड जैसे लक्षण नहीं है। इसके कारण अस्पतालों में कोविड जांच का ग्राफ सोमवार को उछल गया। सोमवार को एहतियातन हुई कोविड जांच का कोई खास परिणाम नहीं निकला। रहस्यमय बुखार से जूझ रहे मासूम कोविड की एंटीजन जांच में निगेटिव मिले।

मंकीपॉक्स का संदिग्ध मरीज मिला, सैंपल केजीएमयू लखनऊ भेजा गया- मंकीपॉक्स के संक्रमण का भी खतरा मंडराने लगा है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में मंकीपॉक्स का एक संदिग्ध मरीज भर्ती किया गया है। उसे आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। मरीज के लार व खून का नमूना केजीएमयू, लखनऊ को भेज दिया गया है।

पुलिस टीम पर प्राणघातक हमला करने के मामले में सांसद अतुल राय सहित तीन बरी व तीन को सजा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कस्टडी के दौरान पुलिस पर हमला कर भागने के मामले में तीन अभियुक्तों को दंडित किया है। एमपी-एमएलए कोर्ट सियाराम चौरसिया की अदालत ने अभियुक्त औढ़े, रोहनिया निवासी तपेश नारायण सिंह उर्फ तपेश राय मिंटू, हिरामनपुर थाना फूलपुर निवासी अश्वनी सिंह व अनुराग सिंह को दोषी पाने पर 3 - 3 वर्ष की कठोर कारावास व 35-35 हजार रुपये अर्थदण्ड से दंडित किया है। वहीं अदालत ने इस मामले में आरोप सिद्ध न होने पर सांसद अतुल राय, पूर्व प्रधान सुजीत सिंह बेलवा व अभिषेक सिंह हनी को संदेह का लाभ देतें हुए दोषमुक्त कर दिया। अदालत में अभियोजन की ओर से

एडीजीसी ज्योति शंकर उपाध्याय व सांसद अतुल राय और अभिषेक सिंह हनी की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव व दिलीप श्रीवास्तव ने पक्ष रखा ` अभियोजन पक्ष के अनुसार कचहरी चौकी प्रभारी तहसीलदार सिंह 25 अगस्त 2011 को क्षेत्र में गश्त कर रहे थे कि वायरलेस से सूचना मिलीं की कुछ बदमाश सिपाहियों को मारपीट रहे है। तत्काल पहुंचकर मामले को देखे। सूचना पर तुरंत चौकी इंचार्ज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। देखा की लोग इधर-उधर भाग रहे और एक सिपाही जमीन पर लहूलुहान पड़ा है। मौके से तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया जिसमें अभियुक्त औढ़े, रोहनिया निवासी तपेश नारायण सिंह उर्फ तपेश राय मिंटू, हिरामनपुर थाना फूलपुर निवासी अश्वनी सिंह व अनुराग सिंह थे। पूछताछ में उन्होंने बताया कि उनका एक गिरोह है जिसका सरगना सुजीत सिंह बेलवा, अतुल राय व अभिषेक सिंह हनी है।

उप जिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी सकलडीहा द्वारा धानापुर थाने का किया गया औचक निरीक्षण

प्रखर चंदौली। जिले के धानापुर थाने का किया गया है औचक निरीक्षण आपको बताते चलें कि क्षेत्राधिकारी सीओ साहब द्वारा और उप जिलाधिकारी मनोज पाठक जी द्वारा धानापुर थाने का औचक निरीक्षण किया गया जिसमें सीओ साहब द्वारा थाने के सभी रजिस्टर चेक किये गये और कुछ मानिन्द व्यक्तियों से जान पहचान भी कराई गई और साथ में उपजिलाधिकारी मनोज पाठक और सीओ राजेश राय द्वारा धानापुर कस्बे में फ्लैग मार्च किया गया जो कि धानापुर थाने से लेकर धानापुर पठानटोली मस्जिद होते हुए हनुमान जी मंदिर होते हुए कस्बे का भ्रमण भी किया गया साथ ही सीओ साहब द्वारा ए

कहा गया कि दशहरा पर्व को देखते हुए सभी लोग शांति व्यवस्था बनाये रखें कोई भी व्यक्ति अगर सं भ्रामक फैलाता है तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी और धानापुर एसएचओ विनय प्रकाश सिंह द्वाराभी कहा गया कि कोई भी व्यक्ति अगर सं भ्रामक फैलाता है तो उसके खिलाफ कार्य वाही की जाएगी फ्लैग मार्च में उपस्थित उप जिलाधिकारी मनोज पाठक और क्षेत्राधिकारी सीओ राजेश कुमार राय हुआ धानापुर एसएचओ विनय प्रकाश सिंह एसआई मोहम्मद सलीम एसआई रामधनी सिंह हुआ अन्य कांस्टेबल और मानिन्द व्यक्ति सिराजुद्दीन भुट्टो नौशाद खा आदि लोग उपस्थित रहे।

आईजीएल के बिजनेस हेड के नेतृत्व में के के ग्रुप ऑफ कम्पनीज भी स्वछता अभियान में शामिल होगा

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा के गिडा औद्योगिक क्षेत्र के आईजीएल के बिजनेस हेड एस के शुक्ल के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में के के ग्रुप आफ कम्पनीज के मालिक श्री आनंद जी भी ०२ अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम में सफाई कर्मियों को सम्मानित करेंगे। यह कार्यक्रम आईजीएल के बिजनेस हेड के नेतृत्व में शुरू हुवा था और इस बार इसको तीन वर्ष पुरे होंगे। प्रत्येक वर्ष कुछ नया इसमें जुड़ता जा रहा है। गोरखपुर शहर में पहली बार कार्यो के मूल्यांकन के आधार पर सफाई योद्धाओं को सम्मानित किया जाएगा। ०२ अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्व० लाल बहादुर शास्त्री के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है और इन दोनों महान विभूतियों ने देश की दशा और दिशा बदलने में अपना सम्पूर्ण जीवन समप्रित कर दिया था। इन्ही से प्रेरणा और इन्ही को आदर्श मानते हुए श्री एस के शुक्ल पूर्वांचल के सम्पूर्ण विकास का संकल्प लिए अग्रसर है और इनके द्वारा संचालित इस मिशन में पहली बार के के ग्रुप में शामिल होकर जनसेवा का अवसर प्राप्त किया। यह जानकारी प्रबंधक प्रशासन एवं जनसम्पर्क डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने दिया।

ट्रैक्टर से कुचलकर छात्रा की मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सैदपुर कोतवाली अंतर्गत जहांनपुर गांव के पास मंगलवार की सुबह ट्रैक्टर से कुचलकर आगापुर निवासी 11 वर्षीय छात्रा सोनल की मौत हो गयी। हादसे के बाद चालक मौके पर ट्रैक्टर को छोड़कर फरार हो गया। मौके पर जुटे ग्रामीणों की मदद से छात्रा को तत्काल एंबुलेंस से सैदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस ट्रैक्टर को कब्जे में लेते हुए फरार चालक की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार सैदपुर के भितरी के निकट स्थित ग्राम आगापुर निवासी अरविंद यादव की पुत्री सोनल (11) अपने भाई गोलू और निशांत के साथ साइकिल से स्कूल जा रही थी। एक साइकिल से वह अकेली थी तो दूसरी साइकिल पर उसके भाई गोलू और निशांत उसके साथ जा रहे थे। इस बीच ग्राम जहांनपुर के पास बगल से जा रहे एक ट्रैक्टर से सोनल की साइकिल टकरा गई, जिससे वह नीचे गिर पड़ी। इस दौरान ट्रैक्टर उसके सर को कुचलते हुए आगे निकल गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

यूपी स्टेट जूनियर कॉर्डिनेशन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2022 के विजेता बेटियों का किया गया सम्मान

प्रखर वाराणसी। उत्तर प्रदेश स्टेट जूनियर कोर्डनेशन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2022 की रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम सिविल लाइन गोरखपुर में 10 से 11 सितंबर 2022 को आयोजित हुई थी जिसमें भारतीय खेल प्राधिकरण बी एच यू वाराणसी की लड़कियों का फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा,इनका मनोबल ऊंचा बनाए रखने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण के द्वारा विजेता लड़कियों को सम्मानित किया गया जिसमें प्रियंका सरोज ने 400 मीटर दौड़ और 800 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीती, चंचल यादव ने 3 किलो मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल जीती, अनुष्का उपाध्याय ने 100 मीटर बाधा दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त कर ब्रोंज मेडल जीती ऐश्वर्या उपाध्याय ने 100 मीटर बाधा दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल जीती, रीना कनौजिया ने ट्रिपल जंप व लॉग जंप में तृतीय स्थान प्राप्त कर ब्रोंज मेडल जीती, इसी क्रम में कुछ लड़के ने भी मेडल जीता जिसमें अभिषेक यादव ने लॉन्ग जंप में द्वितीय स्थान

प्राप्त कर सिल्वर मेडल जिता व ट्रिपल जंप में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जिता । यह सभी लड़कियां भारतीय खेल प्राधिकरण बी. एच.यू. कैम्पस वाराणसी में कोच श्री संजीव श्रीवास्तव के देखरेख में ट्रेनिंग कर रही हैं श्री संजीव श्रीवास्तव अपने पूरे लगन से बच्चों को ट्रेनिंग देने में लगे हुए हैं।। भारतीय खेल प्राधिकरण के अधिकारियो ने इन सभी लड़कियों को बधाई दिया साथ साथ इनके उज्जवल भविष्य की कामना की, साथ साथ इन सभी लड़कियों को सम्मानित करते हुए बॉक्सिंग कोच नरेंद्र बिष्ट ओलंपियन, एथलेटिक्स कोच संजीव श्रीवास्तव, प्रमिला यादव वार्डेन साईं तथा विभा सिह समाज सेवी व प्रवीण सिंह ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पाली ब्लॉक पर निपुण भारत मिशन के तहत चार दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

प्रखर गोरखपुर। ब्लॉक संसाधन केंद्र पाली पर निपुण भारत मिशन के तहत चार दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ समापन सभा को संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी पाली श्री रजनीश कुमार द्विवेदी ने कहा कि हमें प्रशिक्षण को यहां पूर्ण करने के बाद विद्यालय में जाकर बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए प्रयोग करना होगा तभी प्रशिक्षण की सार्थकता सिद्ध होगी क्योंकि कोई भी प्रशिक्षण तभी सफल होता है जब उसका परिणाम आता है हमें अपनी पूरी ऊर्जा के साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास में लगना होगा और मिशन मोड में कार्य करना होगा उसी के साथ जीना होगा और अपने बच्चों को शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को अवश्य पूर्ण कराना होगा हमें अपने बच्चों को राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा, नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, विद्या ज्ञान परीक्षा समेत विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण करा कर उनका भविष्य उज्जवल बनाना होगा और अपने ब्लॉक को एक निपुण ब्लॉक बनाने में

अपना योगदान देना होगा आप सभी निश्चित ही सराहनीय कार्य कर रहे हैं इसके लिए बधाई के पात्र हैं हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप आगे भी मिशन मोड में कार्य करते रहेंगे हमारी शुभकामनाएं आपके साथ हैं प्रशिक्षण सीमैट लखनऊ की ऑनलाइन मॉनिटरिंग में संपन्न हुआ प्रशिक्षण को ब्लॉक एआरपी अविनाश त्रिपाठी, मयंक मिश्रा ,प्रशांत पांडे, विमलेश यादव एवं जनार्दन धर दुबे ने संपन्न कराया तथा निपुण भारत, नई शिक्षा नीति के बारे में बताया तथा सभी के प्रश्नों का जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं को दूर किया प्रशिक्षण का अंतिम सत्र खुला सत्र रहा जिसमें सभी के प्रश्नों का समाधान किया गया प्रशिक्षण में प्रमुख रूप से मारकंडेश्वर नाथ चौबे, मनीराम यादव ,बिंदु यादव रुद्रनाथ धर दुबे, प्रकांत सिंह ,राम नगीना निषाद, रितिका रमन, मीरा सिंह ,अभिनव ओझा, उमा रमण पांडे आदि मौजूद रहे प्रशिक्षण का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा का स्पष्ट एवं कड़ा निर्देश!

सुशासन की दिशा में बाधा बनने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

प्रखर डेस्क। ऊर्जा मंत्री की पहल पर समस्त विद्युत उपभोक्ताओं को प्रभावी सेवा तथा जन शिकायतों का त्वरित समाधान देने हेतु इस सप्ताह 'विद्युत समाधान सप्ताह' आयोजित हो रहा है। इस कार्य को प्राथमिकता पर करना ऊर्जा मंत्री की स्पष्ट सूचना है। इसकी गम्भीरता इस बात से समझी जा सकती है कि इस कार्य में पहले ही दिन शिथिलता प्रदर्शित करने पर मऊ जिले के मादी सिपाह उपकेंद्र पर तैनात अवर अभियंता अशोक कुमार को तकाल प्रभाव से आज निलम्बित किया गया है। अभी कल ही उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए. के. शर्मा के मार्गदर्शन एवं निर्देश पर जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए शुरू हुए "विद्युत समाधान सप्ताह" कार्यक्रम की शुरूआत हुई थी।इस दौरान मंत्री ए. के. शर्मा ने 12 सितम्बर 2022 से 19 सितम्बर 2022 तक चलाये जा रहे "विद्युत समाधान सप्ताह" कार्यक्रम का उन्नाव एवं लखनऊ के विद्युत उपकेन्द्रों पर स्वयं जाकर स्थलीय निरीक्षण किया था एवं खुद जनता की समस्याओं को सुना था। ए के शर्मा ने विद्युत उपकेन्द्र पर लिखे हुए श्लोक उपभोक्ता देवो भवः को दोहराते हुए बिजली विभाग के कर्मियों से उपभोक्ताओं से आदर्श व्यवहार करने की बात कही। उन्होंने कहा था कि बिजली विभाग के कर्मियों का कार्य बेहद ही संवेदनशील होता है क्योंकि वर्तमान समय में बिना बिजली के रहना सम्भव नहीं है। विद्युत समाधान सप्ताह की शुरूआत जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए हुई है इसलिए इस सप्ताह अन्य

सप्ताहों के अपेक्षा ज्यादा तन्मयता से कार्य करते हुए इस योजना के बारे में आमजन को बताने की जरूरत है। इस दरम्यान उन्होंने फरियादियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए थे। ऐसे में बिजली विभाग के अवर अभियंता के निलंबन से स्पष्ट प्रतीत हो रहा है कि मंत्री अब विभागीय कार्यों में हीलाहवाली करने वालों को माफ करने के मूड में नहीं हैं।

संक्षिप्त खबरें

स्वस्थ्य रहने का सरल उपाय हर व्यक्ति सुबह उठकर एक घंटे करें व्यायाम - डाक्टर अभिनव पाडिया

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। सिगरा स्थित बनारस मेडिसिटी हास्पिटल के डायरेक्टर एवं वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डाक्टर अभिनव पाडिया ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया की कोरोना मरीजों की संख्या में काफी हद तक कमी हुई है जिसके बाद लोगो में हृदय रोग की समस्याएं ज्यादातर देखने को मिल रहा है` डाक्टर अभिनव पाडिया ने बताया की लोगो को खाने-पीने पर विशेष ध्यान देना चाहिए जिससे लोगो का स्वास्थ्य अच्छा रहे ताकि हृदय रोग की समस्या ना हो पाये `खाने में प्रतिदिन देशी घी ,हरी सब्जी दूध, पनीर तथा ड्राई फ्रूट्स का सेवन अवश्य करें और सुबह में हर व्यक्ति को कम से कम एक घण्टा व्यायाम करना चाहिए जिससे लोग स्वास्थ्य रह पाये।

रोहित शर्मा ने वर्षो से खराब रास्ते पर खुद से मिट्टी पत्थर गिरवाकर दुरुस्त करवाया

प्रखर वाराणसी। कंदवा वार्ड 19 से पार्षद पद की तैयारी कर रहे रोहित शर्मा ने वर्षों से खराब रास्ते पर खुद से मिट्टी पत्थर गिरवाकर दुरुस्त करवाया । रोहित शर्मा ने बताया अवलेशपुर राजभर बस्ती में पिछले 5 साल से जलजमाव से परेशान यहां के लोग काफी परेशानी से आते जाते थे,जिसको 5 गाड़ी मलवा और 2 गाड़ी गिट्टी गिरवा के आने जाने योग्य बनवाया गया है । रोहित शर्मा के इस कार्य को स्थानीय पंकज पटेल ,दीपक राजभर,मुलायम राजभर,संजय राजभर और बस्ती के अन्य लोगो ने प्रशंसा करते हुए आभार प्रकट किया।

नेता स्वार्थ छोड़ दें तभी सदन से लेकर गांवो तक बहेगी विकास की गंगा : विजयशंकर

प्रखर मेंहनगर आजमगढ। स्थानीय विधानसभा के पार्टी कार्यालय मेंहनगर पर मंगलवार को कार्यकताओं की बैठक सुभासपा पार्टी के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र राजभर के नेतृत्व में आहूत की गयी। बैठक के बतौर मुख्यअतिथि सुभासपा के प्रदेश उपाध्यक्ष विजयशंकर राय ने उपस्थिति कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सुभासपा पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जिसमे हर वर्ग के लोगों का साथ व विकास पर कार्य करती है। श्री राय ने कहा कि आज जो सुभासपा के नेता पार्टी छोड़ने की बात कह रहे है वह नेता स्वार्थ की चासनी में ऐसे चिपके हुए है कि उनको समाज से कोई लेना देना नही होता है। जब उन नेताओं को स्वार्थ की चासनी नही मिलती है तो अपने अधिकार की बात करते हुए पार्टी छोड़ने के कागार तक पहुच जाते है।ऐसे नेताओं व विधायकों,सांसदों को जनता भली भांति जान गई है उसका जबाब आने वाले लोकसभा चुनाव में देगी। सभासपा के बढ़ते जनाधार को देखते हुए अन्य पार्टियो के नेता स्वार्थ के लोग अनाप सनाप बोल रहे है। श्री राय ने कहा कि अगर नेता स्वार्थ छोड़ दे तो समाज के लिए मुह खोलना सिख जाएगी,तभी गांव से लेकर सदन तक विकास की गंगा बहेगी। इस मौके पर जनार्दन राजभर,सुभाष राजभर, अशोक राजभर, श्यामकन्हैया राजभर,सोनू राजभर,आशीष वर्मा, अजय यादव,स्लाम आदि लोग मौजूद रहे।

अधिशासी अधिकारी ने किया स्थलीय निरीक्षण

प्रखर गोरखपुर। खजनी तहसील क्षेत्र में स्थित नगर पंचायत उनवल कस्बा संग्रामपुर के वार्ड संख्या 3 में अधिशासी अधिकारी रेणुका यादव स्थली निरीक्षण में पहुंची लोगों ने साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने का संबंधित को दी निर्देश साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि जिस नादान पर स्लैप नहीं है उसको भी ठीक कराया जाए एवं जो वार्ड में जलाशय हैं उस में मछली पालन की व्यवस्था कराई जाए जिससे लोगों का रोजी-रोटी भी चले सड़कों के अगल-बगल जो गंदगी है उस पर भी विशेष ध्यान देकर साफ और स्वच्छ रखा जाए। अधिशासी अधिकारी रेणुका यादव ने बताया वार्ड 3 का स्थलीय निरीक्षण किया गया है जिसमें मेन रोड, नाली पर ढक्कन पोखरे का सुंदरीकरण और नीलामी का कार्य होना है। अब तो सर पर वार्ड सभासद संतोष राम त्रिपाठी,स्वच्छ भारत मिशन की डीपीएम पूजा राय सहित नगर पंचायत के कर्मचारी उपस्थित रहे।

बालिकाओं में बांटा गया सेनेटरी पैड

प्रखर गोरखपुर। सहजनवां क्षेत्र के बाबूलाल जी सिंह पी जी कॉलेज भगौरा, सहजनवां की छात्राओं में आज गीडा स्थित नाईन कंपनी की तरफ से स्वास्थ्य सुरक्षा पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा उपस्थित सभी छात्राओं को कंपनी की तरफ से सेनेटरी पैड और हैंडवाश भी बांटा । इस अवसर पर कंपनी के मैनेजर हरीश कुमार गुप्ता ने कहा कि आज के आधुनिक युग में छात्राओं को जागरूक होने की जरूरत है, सेनेटरी पैड के इस्तेमाल से बहुत सी बीमारियों से उनका बचाव हो सकता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुरेंद्र प्रसाद ने भी छात्राओं को संबोधित किया और उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुरक्षा और स्वच्छता आज के युग में बहुत आवश्यक है इसके प्रति छात्राओं को सचेत रहना होगा। इस अवसर पर डॉ राज कमल सिंह ,डॉ राम लौट प्रसाद चौहान, डा खुशबू त्रिपाठी, डॉ हिमांचल सिंह ,अजीत श्रीवास्तव, सतपाल,हर्षित, शेषपाल, रितेश, कृष्णा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं